● वर्ष-4
● अंक-79
रायपुर, रविवार
10 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

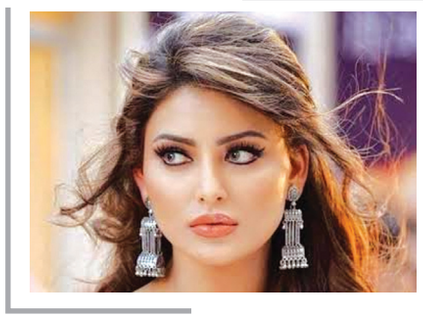

पेज-6» फ्रेंच में बात करती नजर आ रही है...

जैव विविधता संरक्षण में ठोस पहल नहीं

कॉप-16 **थोथे सम्मेलनों में केवल औपचारिकता, ऐसे में तो पृथ्वी बचने से रही**

हेरिएट बुल्केले

कोलंबिया के कैली में संयुक्त राष्ट्र के जैव विविधता शिखर सम्मेलन, कॉप-16 में प्रकृति को बचाने की दिशा में प्रगति धीमी रही, इसलिए निराशाजनक भी। उम्मीद थी कि कोलंबियाई मेजबान दो साल पहले मॉन्ट्रियल, कनाडा में कॉप-15 में हुए वैश्विक जैव विविधता समझौते की दिशा में विकसित व विकासशील देशों के बीच समन्वय बना सकते हैं। लेकिन करीब दो हफ्ते तक चली वार्ता अचानक समाप्त हो गई।

इस सम्मेलन की शुरुआत इस चिंताजनक खबर से हुई कि खतरे में पड़ी प्रजातियों के आधिकारिक रिकॉर्ड से पता चलता है कि एक तिहाई से अधिक वृक्ष प्रजातियां जंगल में विलुप्त होने के कगार पर हैं। यह संख्या खतरे में पड़े पक्षियों, स्तनधारियों, सरीसृपों और उभयचरों की कुल संख्या से भी अधिक है। शहर के बीचों-बीच, कॉप-16 के ग्रीन जोन में जीवंत संगीत, फिल्म स्क्रीनिंग, स्वदेशी कला और शिल्प का आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों, व्यवसायों और सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने प्रकृति संकट से निपटने के लिए रचनात्मक और सहयोगात्मक तरीकों पर चर्चा की। इस सम्मेलन में जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य के बीच संबंधों तथा जल व खाद्य सुरक्षा के लिए प्रकृति के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

यह सुनिश्चित करने के लिए एक नए कोष पर सहमति बनी कि इन समूहों को देसी पौधों और जानवरों की आनुवंशिक जानकारी के वाणिज्यिक उपयोग से लाभ का एक हिस्सा प्राप्त होगा, यह एक और जीत थी। आर्थिक लचीलेपन पर पहले से कहीं ज्यादा ध्यान दिया गया, जिसमें दो दिन व्यापार और वित्त के लिए समर्पित थे। 2018 में मिस्र में सिर्फ 300 व्यवसायों ने कॉप-14 में भाग लिया था, लेकिन कैली में इनकी संख्या 3,000 थी। निजी निवेशकों, पेंशन फंड, बीमा उद्योग और सार्वजनिक बैंकों ने जैव विविधता में सुधार के लिए मजबूत उपाय करने पर जोर दिया।

प्रकृति के तकनीक क्षेत्र में 2024 के अंत तक स्टार्ट-अप द्वारा दो अरब डॉलर तक के निवेश को आकर्षित करने की उम्मीद है। जैव विविधता की रक्षा के लिए 196 राष्ट्रीय योजनाओं में से मात्र 44 को ही नए लक्ष्यों को दर्शाने के लिए अपडेट किया गया। इसलिए हैरानी नहीं कि मौजूदा वास्तविकता और 23 लक्ष्यों के महत्वाकांक्षी समूह के बीच अंतर बढ़ रहा है, जिसे सरकारों को 2030 तक हासिल करना होगा। हालांकि सभी देश 2026 में प्रगति की समीक्षा के लिए सहमत हुए हैं, लेकिन संकेतकों पर कोई आम सहमति नहीं बन पाई।

कई विकासशील देशों को चिंता थी कि जलवायु संकट और जैव विविधता के बीच अधिक एकीकरण से वित्तपोषण की जिम्मेदारी दोहरी हो जाएगी, जिससे विकसित देश अपने वादों से पीछे हट सकते हैं। कॉप-16 के अंतिम क्षणों में वार्ताकार एक समझौते पर पहुंचे, जो जलवायु और प्रकृति पर एक साथ कार्रवाई करने के लिए एक अधिक एकीकृत मार्ग निर्धारित करता है। प्रकृति-आधारित समाधान (पीटलैंड और वेटलैंड्स को बहाल करने, पेड़ और मैंग्रोव लगाने जैसे उपाय) उस लचीलेपन का निर्माण करने में मदद करते हैं।

कई राष्ट्राध्यक्षों और मंत्रियों ने इस पर जोर दिया कि यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि प्रकृति को न केवल अपने लिए, बल्कि उन समुदायों के लिए भी संरक्षित किया जाए, जो अपनी आजीविका और कल्याण के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्रों पर निर्भर हैं। लेकिन अंततः इसको लेकर न तो कोई ठोस कार्ययोजना थी और न ही प्रकृति संरक्षण के भुगतान को लेकर वित्तीय प्रतिबद्धताएं थीं, जिसकी सम्मेलन में उपस्थित कई लोगों को उम्मीद थी।

इंडियन रोड कांग्रेस वार्षिक अधिवेशन

अधिवेशन में सड़क निर्माण के लिये नवाचार तकनीकों के प्रयोग पर हुई विस्तृत चर्चा

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित सांईस कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन के दूसरे दिन केन्द्रीय राज्य मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अजय टम्टा ने नवीन तकनीकी उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों से आये केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के निर्माण विभागों के अभियंताओं एवं विशेषज्ञों ने नवाचार तकनीकों का प्रयोग करते हुए सड़क निर्माण एवं उनके रखरखाव के उपायों के बारे में बताया गया। अधिवेशन के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र में शिक्षाविदों, सलाहकारों एवं निर्माणकर्ताओं द्वारा सड़क निर्माण में उपयोग आने वाली नवीन उपकरण, मशीनरी, सामग्री और सॉफ्टवेयर के विषय में विस्तृत रूप से जानकारी दी। प्रथम तकनीकी सत्र में आईआईटी रूड़की से आए रिसर्च स्कॉलर सुश्री प्रीति राय, प्रोफेसर द्वय डॉ. प्रवीण कुमार और डॉ. निखिल साबू ने अपना प्रजेन्टेशन दिया। इसी प्रकार अधिवेशन में आमंत्रित शिक्षाविदों, सलाहकारों, निर्माणकर्ताओं एवं रिचर्स स्कॉलर्स ने सड़क निर्माण एवं संधारण के संबंध में अपना-अपना वक्तव्य दिया।

चटगांव में हाल ही में इस्लामिस्ट संगठन हिफाजत ए इस्लाम द्वारा इस्कान पर प्रतिबंध लगाने की मांग के बाद बांग्लादेश में सांप्रदायिक तनाव बढ़या है।

मोदी जी सिर्फ बड़े-बड़े भाषण देते हैं-राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि देश में विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर इंडिया गुट है जो प्रेम, एकता और संविधान की रक्षा के लिए खड़ा है और दूसरी ओर भाजपा-आरएसएस लोग हैं जो विभाजित करने की कोशिश कर रह रहे है। आज यहां एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने लोगों से झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता में वापस लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी संविधान की रक्षा के लिए काम करते रहेंगे।

राहुल ने कहा कि एक बार मैंने देखा कि नरेंद्र मोदी तार के पीछे खड़े गरीब बच्चों से झिझककर मिले रहे थे। हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री गरीबों, किसानों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के पास जाते ही नहीं हैं। वो कभी किसी गरीब के यहां शादी में नहीं गए, लेकिन अंबानी की शादी में चले गए। इससे पता चलता है कि वो आपके नहीं हैं, वो उनके हैं।

उन्होंने कहा कि आज सच्चाई यह है कि हिंदुस्तान में युवा और महिलाएं दुखी हैं। मोदी जी सिर्फ बड़े-बड़े भाषण करते हैं, करते कुछ नहीं है। जब देश में महंगाई बढ़ती है तो सबसे ज्यादा चोट हमारी माताओं-बहनों को लगती है। नरेंद्र मोदी ने हर चीज पर जीएसटी जोड़ दिया है। टैक्स का पूरा ढांचा देश के गरीब लोगों से पैसा लेने का तरीका है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में करीब 50% OBC, 15% दलित, 8% आदिवासी और 15% अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हैं। लेकिन आपको देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में OBC, दलित और आदिवासी वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम आपको आदिवासी कहते हैं, लेकिन भाजपा आपको वनवासी कहती है। आदिवासी का मतलब होता है- देश का पहला मालिक। वहीं वनवासी का मतलब है कि देश में आपका कोई अधिकार नहीं है। वह धीरे-धीरे आपके जंगल आपसे छीन रहे हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि जल, जंगल, जमीन पर आपका पहला अधिकार है, उसका फायदा आपको मिलना चाहिए।

राहुल गांधी ने चुनौती देते हुए कहा कि मैंने मोदी जी से साफ कह दिया है- आप जातिगत जनगणना को रोक नहीं सकते हैं। हम इसी संसद में जातिगत जनगणना को पास करके दिखाएंगे और आरक्षण में 50% की दीवार को तोड़ देंगे। झारखंड में हम आदिवासियों को 28%, दलितों को 12% और पिछड़े वर्ग को 27% आरक्षण देंगे।

प्रमुख समाचार

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में जब भारत का पैसा लगा है तो...

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में उपचुनाव को जारी प्रचार में कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्था के रूप में स्थापित करना चाहिए या सामान्य संस्था के रूप में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के संसाधनों से पलने और जनता के टैक्स से चलने वाला ऐसा संस्थान, जो पिछड़ी, अनुसूचित जाति या जनजाति के लोगों को आरक्षण नहीं देता है, लेकिन मुसलमानों के लिए स्वयं के माध्यम से 50 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था कर रहे हैं। योगी ने कहा कि भारत का संविधान अनुसूचित जाति-जनजाति व मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर पिछड़ी जाति के लोगों को आरक्षण की सुविधा देता है, लेकिन एएमयू में यह सुविधा क्यों नहीं मिल पाती है। उन्होंने कहा कि जब भारत का पैसा लगा है तो वहां भी इन्हें आरक्षण की सुविधा का लाभ मिलना चाहिए। नौकरी और प्रवेश में भी यह सुविधा मिलनी चाहिए। इसे क्यों बंद किया गया, क्योंकि कांग्रेस-सपा, बसपा नहीं चाहती है।

येदियुरप्पा और श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमे की सिफारिश

बंगलूरू। कर्नाटक में कोरोना महामारी के दौरान उपकरणों और दवाओं की खरीद में कथित अनियमितता के आरोप लगे। इस मामले की जांच के लिए न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में आयोग गठित किया गया। जांच के बाद आयोग ने तत्कालीन मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री बी श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की है। ये दावा किया है कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने। उन्होंने शनिवार को कहा कि भाजपा के सत्ता में रहने के दौरान फंड के दुरुपयोग और उपकरणों और दवाओं की खरीद में %लूट% की बात स्पष्ट हो चुकी है। वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस नेता दिनेश गुंडू राव ने यह भी कहा कि आयोग की रिपोर्ट ये साबित करती है कि कोरोना महामारी के दौर में तत्कालीन भाजपा सरकार ने परिस्थितियों का दुरुपयोग करते हुए शवों पर पैसा कमाया। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान कोई भी भाजपा से सवाल नहीं कर सकता था। इसका फायदा उठाते हुए, तत्कालीन सरकार ने नियमों का उल्लंघन किया।

सुनीता विलियम्स की सेहत पर नासा ने दिया यह जवाब

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स बीते पांच महीने से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर हैं। महज आठ दिनों के मिशन पर भेजी गई इस टीम में सुनीता के अलावा साथी बैरी विल्मोर भी हैं। दोनों 150 दिनों से धरती पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच सुनीता विलियम्स की सेहत से जुड़ी अहम जानकारी सामने आई है। बता दें कि इसी साल 5 जून को बोइंग स्टारलाइनर का प्रक्षेपण हुआ था। सुनीता और विल्मोर 6 जून को आईएसएस पहुंचे थे। 156 दिनों से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की प्रयोगशाला में फंसे हुए विलियम्स और विल्मोर स्पेसएक्स के क्रू-9 ड्रैगन कैप्सूल पर सवार होकर धरती पर वापस लौटने को तैयार हैं। अभी तक की योजना के मुताबिक सुनीता विलियम्स और विल्मोर के साथ दल में शामिल चार और अंतरिक्ष यात्री फरवरी 2025 में एक साथ धरती पर लौटेंगे। एक रिपोर्ट में नासा कर्मचारी के हवाले से दावा किया गया है कि बीते सितंबर में सामने आई उनकी तस्वीर से सेहत को लेकर चिंता उपजी है लेकिन अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी करीबी नजर रख रही है।

वाजपेयी जी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया था: नीतीश

नई दिल्ली। बिहार में होने वाले उपचुनाव के लिए आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रचार शुरू कर दिया है। तरारी में भाजपा उम्मीदवार के लिए प्रचार करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से हम लोग एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भाजपा से हमारा शुरू से ही नाता रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आगे भी रिश्ता कायम रहेगा। हमसे दो बार गलती हो गई थी। हमने राजद के साथ सरकार बना ली। लेकिन जब वह गड़बड़ करने लगे तो मुझसे बर्दाश्त नहीं हुआ। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और हम फिर से भाजपा के साथ आ गएष इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब कोई दाएं बाएं नहीं होगा। इतना ही नहीं, नीतीश कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया था। नीतीश ने कहा कि मैं अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में मंत्री रहा हूं। यहां-वहां कुछ गलतियां हो गईं लेकिन अब हम मिलकर काम करेंगे। हम देखते थे कि कोई काम नहीं हो रहा है। उन्होंने लालू यादव और राजद पर वार करते हुए कहा कि उनकी सरकार के दौरान कोई भी शाम के बाद डर के मारे अपने घर से नहीं निकल पाता था।

सोपोर में 24 घंटे में दूसरी मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

जम्मू। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के सोपोर में 24 घंटे से भी कम समय में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। रामपुरा राजपोरा के जंगलों में शनिवार शाम को मारे गए आतंकी की शिनाख्त अभी नहीं हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि यह दहशतगर्द बांदीपोरा में दो दिन पहले मारे गए पाकिस्तानी आतंकी का साथी है। जो मुठभेड़ के दौरान भाग निकला था। इससे पूर्व सुरक्षाबलों ने साहीपोरा में दो आतंकियों को मार गिराया था। बता दें कि बांदीपोरा, कुपवाड़ा और सोपोर के बाद उत्तरी कश्मीर में यह चौथी मुठभेड़ है। अधिकारियों ने बताया कि जब सुरक्षाबलों की संयुक्त टीमों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया तो इलाके में छुपे आतंकियों ने गश्ती दल पर फायरिंग कर दी। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर किये एक पोस्ट में लिखा, रामपुरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष इनपुट मिला था। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और सुरक्षा बलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया था। पुलिस के एक उच्च अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है। उसकी शिनाख्त अभी नहीं हुई है लेकिन संभावना है कि ढेर किया आतंकवादी बांदीपोरा मुठभेड़ के दौरान भाग निकला एक पाकिस्तानी दहशतगर्द हो सकता है।

पितृसत्ता लेफ्ट की विचारधारा; भारत में महिलाओं को आगे बढ़ने से रोका नहीं जाता

बंगलूरू। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि अगर पितृसत्ता भारत में महिलाओं को उनके सपनों को पूरा करने से रोकती तो इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री कैसे बन सकती थीं। सीतारमण बंगलूरू के सीएमएस बिजनेस स्कूल के छात्रों से बातचीत कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों और युवाओं के लिए उपलब्ध कराई गई योजनाओं पर चर्चा की। इसमें 21 से 24 आयु वर्ग के एक करोड़ बेरोजगार युवाओं के लिए इंटर्नशिप की पहल भी शामिल है।

महिला सशक्तिकरण पर एक सवाल के जवाब में सीतारमण ने कहा, पितृसत्ता एक ऐसा सिद्धांत है, जिसे वामपंथियों ने गढ़ा है। उन्होंने कहा, अच्छे शब्दों के बहकावें में न आएं। अगर आप अपनी बात मजबूती से रखेंगे और तार्किक तरीके से बात करेंगे, तो पितृसत्ता आपको अपने सपने पूरे करने से नहीं रोक सकती। हालांकि, उन्होंने यह बात मानी कि महिलाओं को पूरी तरह से सुविधाएं नहीं मिल पाती और इसमें और अधिक सुधार की जरूरत है।

नवाचार माहौल बना रही मोदी सरकार%

भारत में नवाचार के लिए अवसरों के सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार नवाचार के लिए एक ऐसा माहौल तैयार कर रही है, जो उनकी मदद कर रहा है। उन्होंने कहा, हम नवाचार को सिर्फ नीतियों के जरिए नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी समर्थन दे रहे हैं कि इन नवाचारों को बाजार में सही जगह मिले। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि सरकार की सभी खरीद का 40 फीसदी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से आता है। उन्होंने कहा, आज भारत में दो लाख से अधिक स्टार्टअप्स हैं और 130 से ज्यादा यूनिकॉर्न बन चुके हैं। इसका मतलब है कि अवसर बहुत हैं। लेकिन इनका पूरा उपयोग नहीं किया गया है।

निःशुल्क उपलब्ध है डिजिटल बैंकिंग

वित्त मंत्री ने डिजिटल बैंकिंग के क्षेत्र में हो रहे बदलावों का भी जिक्र किया और कहा कि देश में जन धन योजना के जरिए आम लोगों के लिए अवसर पैदा किए गए हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने देश में डिजिटल नेटवर्क को फैलाने के लिए निवेश किया। जबकि कई अन्य देशों में यह काम निजी कंपनियों के जरिए हुआ। जिससे वहां कुछ शुल्क लगने लगे। लेकिन भारत में यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है।

सीतारमण ने कहा कि सरकार और हितधारकों ने डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, डिजिटल नेटवर्क फैलाने के लिए भारत का दृष्टिकोण पूरी तरह से देश के सार्वजनिक धन से प्रेरित था। इसे सरकार की ओर से वित्त पोषित किया गया था। भारत ने दुनिया के कई देशों जो डिजिटल भुगतान तकनीक के लिए निजी क्षेत्र पर निर्भर थे, के विपरीत एक विशाल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया, इसे बैंकिंग उद्देश्यों के लिए अनुमति दी, इसे स्वास्थ्य उद्देश्यों के लिए अनुमति दी, इसे विपणन उद्देश्यों के लिए अनुमति दी, इसे भुगतान उद्देश्यों के लिए अनुमति दी और इसे शिक्षा उद्देश्यों के लिए अनुमति दी। सीतारमण ने कहा, इसलिए जो सार्वजनिक बुनियादी ढांचा बनाया गया, उसे छोटे और आम उपयोगकर्ताओं के लिए मुफ्त रख गया। इसलिए एक छोटा व्यवसाय जो बढ़ना चाहता था, आज अपने गांव से परे बाजारों तक पहुंचना चाहता है। देश में डिजिटल क्रांति की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने नगालैंड की यात्रा के दौरान अपनी बातचीत का उदाहरण दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश में हुई डिजिटल क्रांति की सफलता के कारण नगालैंड के गैर सरकारी संगठनों को भी क्रिसमस के दौरान अमेरिका से ऑर्डर मिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ह्हष्ठष्ट) लेकर आई है, जो डिजिटल कॉमर्स के लिए एक खुला नेटवर्क है जो बड़े ई-कॉमर्स व्यवसायों की भी मदद कर रहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, फ्रडिजिटल समावेशन और वित्तीय समावेशन के मामले में लोग किसी के आने और उन्हें शिक्षित करने का इंतजार नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह पहले से ही सरल भाषा में है और उनके फोन तक पहुंच रहा है। वे इसे एक्सेस करने में सक्षम हैं और यह केवल बढ़ेगा। हमें भविष्य में केवल प्रौद्योगिकियों को लगातार अपडेट करने की आवश्यकता है।

आरआरबी के प्रदर्शन की समीक्षा की

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बेंगलुरु में दक्षिणी क्षेत्र के 10 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के प्रदर्शन की समीक्षा की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के आरआरबी के प्रदर्शन की समीक्षा की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी।

दुर्ग में बड़ा एनकाउंटर, हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने किया ढेर

कुख्यात बदमाश अमित जोश की काफी समय से थी तलाश

दुर्ग। दुर्ग जिले में पुलिस ने एनकाउंटर में हिस्ट्रीशीटर बदमाश अमित जोश मार गिराया है। अमित पर 35 से अधिक अपराध दर्ज थे। इससे पहले पुलिस तीन बार एनकाउंटर करके 4 लोगों को ढेर का चुकी है।

दुर्ग पुलिस ने सबसे पहले वर्ष 2001 में दुर्ग के अंजोरा क्षेत्र में कुख्यात आरोपी सुखविंदर सिंह उर्फ सोक को पुलिस टीम पकड़ने गई थी। इस दौरान जहां आरोपी और पुलिस में मुठभेड़ में मारा गया। यह दुर्ग जिले का पहला एनकाउंटर था। कुख्यात आरोपी सुखविंदर सिंह तपन सरकार का करीबी और शूटर था सुखविंदर सिंह और उसके गुर्गे ने एक कारोबारी का अपहरण किया था। जिसके बाद से पुलिस को सुखविंदर की तलाश थी।

दूसरा एनकाउंटर वर्ष 2005 में भिलाई में हुआ था। बहुचर्चित महादेव महार हत्याकांड के मामले में गैंगस्टर तपन सरकार और अन्य आरोपियों में गोविंद विश्वकर्मा भी शामिल था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी गोविंद विश्वकर्मा तलपुरी के आसपास

है। जिससे घेराबंदी कर पकड़ने की कोशिश की गई, लेकिन गोविंद ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोविंद गोली के शिकार हो गए थे। गोविंद विश्वकर्मा भी तपन सरकार के करीबी था।

तीसरा एनकाउंटर वर्ष 2010 में जामुल में हुआ था। जहां नार्थ बस्तर माड़ ज्वाइंट डिविजनल कमेटी के सदस्य नागेश और उसकी पत्नी रावघाट एरिया कमेटी के सदस्य ताराबाई कारतूस खरीदने के लिए भिलाई पहुंचे है। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस अलर्ट हुई, जो कारतूस का खरीदने आए है, सूचना पर पुलिस ने दोनो की तलाश शुरू की। तलाशी के दौरान पुलिस को जामुल क्षेत्र में होने की सूचना पर सर्चिंग अभियान चलाकर दोनों का पीछा करते हुए घेराबंदी कर पकड़ने जा रही थी। तभी नागेश ने पुलिस पर फायर कर दिया। जिसके बाद पुलिस की जवाबी फायरिंग में नागेश और उसकी पत्नी ताराबाई को गोली लगी, जिससे उसकी मौत हो गई।

चौथी एनकाउंटर 8 अक्तूबर 2024 को हिस्ट्रीशीटर बदमाश अमित जोश मार गया। अमित जोश के खिलाफ जिले में 35 से अधिक अपराध दर्ज थे। अमित जोश 14 साल की उम्र से ही अपराध की दुनिया में आ गया था। अमित जोश पर मारपीट, गुंडागर्दी, हत्या, पिस्टल से फायर जैसे गंभीर मामले दर्ज है। अमित जोश ने 25 और 26 जून 2024 की रात बाइक सवार युवकों पर पिस्टल से फायर कर फरार हो गया था। इस घटना में दो युवकों को गोली लगी थी। तत्काल दोनों युवकों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी जान बचाई गई।

जिसके बाद से अमित जोश फरार चल रहा था पुलिस ने अमित जोश की जानकारी देने वाले को 35 हजार इनाम की घोषणा भी की थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली की युवकों पर फायर करने वाला फरार आरोपी अमित जोश भिलाई पहुंचा हुआ है। जिसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम उसका पीछा करते हुए जयंती स्टेडियम के पीछे पहुंची। और अमित जोश अपने एक साथी के साथ बाइक से जा रहा था पुलिस ने पकड़ने की कोशिश की लेकिन अपने पास रखे पिस्टल से पुलिस पर दो फायर किया। जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायर किए जिसमें अमित जोश के पैर और सीने में गोली लगी जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी को ढूंढने यूपी गयी थी पुलिस वापस लौटते समय हुआ सड़क हादसा

एसआई की मौके पर मौत, आरक्षक समेत तीन घायल

कोरबा/जीपीएम। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला थाना क्षेत्र में आज एक बड़ा हादसा हुआ है, हादसे में कोरबा जिले की पाली पुलिस की स्कार्पियो वाहन हादसे का शिकार हो गई। हादसे में एक सब इंस्पेक्टर की मौके पर मौत हो गई, तो एक आरक्षक गंभीर रूप से घायल है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। जबकि एक आरक्षक और दो चालको को हल्की चोटे आई है।

घटना की सूचना मिलते ही जिले के पुलिस विभाग के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए है। प्रथम दृष्टया हादसे की वजह वाहन के सामने कुत्ते के आ जाने से होना बतलाया जा रहा है। हादसे में एक सब इंस्पेक्टर की मौके पर मौत हो गई, तो एक आरक्षक गंभीर रूप से घायल है जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं

जबकि एक आरक्षक और दो चालकों को हल्की चोटे आई है।

हादसे में सब इंस्पेक्टर विलायत हुसैन की मौके पर मौत हो गई, जबकि आरक्षक शैलेंद्र तंवर को गंभीर चोट आई। एक आरक्षक नारायण कश्यप और दो चालक ड्राइवर गोपी नागवंशी और वरमु चौहान को मामूली चोट आई है। हादसे के वक्त वाहन को गोपी नागवंशी चला रहा था कि वाहन वेंकटनगर रोड से गौरेला की ओर आने सड़क पर मेंढूका गाव के पास आज सुबह सड़क में उनके वाहन के सामने अचानक एक कुत्ते के आ जाने से चालक वाहन पर अपना नियंत्रण खो बैठा और वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे 4 बार पलटते हुए सड़क से 50 मीटर अंदर चले गई। घटना की सूचना मिलते ही जीपीएम जिले के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और घायलों को त्वरित इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया गया।

जानकारी के अनुसार पाली पुलिस की टीम 1 सब इंस्पेक्टर 2 आरक्षक और 2 चालको के साथ पाली से 6 तारीख को कानपुर गई हुई थी किसी प्रकरण में आरोपी की पता साजी के लिए और कल कानपुर से वापस पाली आने को निकली थी। इस दौरान सुबह आज यह हादसा हो गया है। फिलहाल गौरेला पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है, तो शव का पोस्टमार्टम के बाद मृतक सब इंस्पेक्टर के परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

बस्तर ओलंपिक का विधायक किरण देव ने किया शुभारंभ

बोले- मानसिक, शारीरिक विकास के लिए खेल एक माध्यम

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से बस्तर क्षेत्र के युवाओं को खेल के माध्यम से विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास है। इसमें नक्सल हिंसा में दिव्यांग व्यक्तियों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को विशेष प्रोत्साहित किया जा रहा है। बस्तर क्षेत्र के एक लाख 65 हजार से अधिक लोगों ने बस्तर ओलंपिक में भाग लेने के लिए अपना पंजीयन करवाया है। इस ओलंपिक में विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है।

इसी तारतम्य में विकासखंड में जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड में विधायक किरण देव द्वारा बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ किया गया। उन्होंने फुटबॉल के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी और फुटबॉल को किक मारकर गोल करते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री देव ने कहा कि

बस्तर के युवाओं में कई विधाओं में प्रतिभा कूट कूट कर भरा है। खेल एक माध्यम है जो व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक विकास के साथ-साथ नाम कमाने और रोजगार के अवसर देता है।

बस्तर ओलंपिक प्रतियोगिता तीन स्तरीय प्रतियोगिता है। इसके लिए संभाग से एक लाख 65 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीयन करवाया है, अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता और ओलंपिक के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री, खेल मंत्री का आभार और शुभकामनाएं। इस दौरान विधायक ने प्रतियोगिता में जगदलपुर और आड़ावाल के मध्य फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, विधायक ने प्रोत्साहन स्वरूप राशि भी छात्राओं को दिए।विधायक ने प्रतियोगिता स्थल पर मेडिकल सुविधा और भोजन व्यवस्था का भी अवलोकन कर खिलाड़ियों को भोजन वितरण किया और स्वयं ने भी खिलाड़ियों के साथ दोपहर का भोजन किया।

उन्होंने चार दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश आयोजको को दिए। इस अवसर पर एसडीएम जगदलपुर भरत कौशिक, खेल अधिकारी राजेंद्र डेकाटे, जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल, जनपद सीईओ अमित भाटिया, संबंधित क्षेत्र के शिक्षा विभाग के अधिकारी- शिक्षक और खिलाड़ी,खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

घर के आंगन में बैठा था 13 फीट लंबा किंग कोबरा, ग्रामीणों की लगी भीड़

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य में एक बेहद दुर्लभ और विलुप्त प्राय: जीव किंग कोबरा पर दूरगामी संरक्षण प्रयास किए जा रहे हैं। कोरबा वन मंडल के मार्गदर्शन में नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पूरे कोरबा में इस दुर्लभ जीव पर अध्ययन किया जा रहा है। इस दिशा में संस्था द्वारा स्थानीय लोगों को साथ लेकर इस जीव के संरक्षण पर काम किया जा रहा है। इसी बीच कोरबा के कोरकोमा गांव से सूचना मिली कि एक घर के आंगन एक विशालकाय किंग कोबरा बैठा हुआ है। इसके बाद इसकी जानकारी कोरबा वनमंडलाधिकारी अरविंद पी एम को दी गई। उनके निर्देशानुसार उप वनमंडालाधिकारी आशीष खेलवार के मार्गदर्शन में वन विभाग के टीम के साथ घटनास्थल में इकट्ठा भीड़ को दूर किया गया। फिर बड़ी सावधानी से आंगन मे बैठे किंग कोबरा को रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। इसके बाद मानक प्रचालन के अनुसार हुक और बैग पद्धति से इसका रेस्क्यू किया गया, तब जाकर गांव वालों ने राहत भरी सांस ली। फिर उसे वन विभाग की उपस्थिति में प्राकृतिक रहवास जंगल में छोड़ा गया। नोवा नेचर टीम के अध्यक्ष एम सूरज ने बताया हम किंग कोबरा संरक्षण में पिछले कुछ सालों से कोरबा में काम कर रहे हैं, जिसमें यह पाया गया कि लोग इतने बड़े सांप को देखकर डर जाते हैं पर मारते नहीं, बल्की बचाने का प्रयास करते हैं। इसी कड़ी में हम पूरे कोरबा में रिस्पॉन्स टीम तैयार कर किंग कोबरा को बचाने में लगे हुए हैं।

संकट में धान खरीदी, सभी समिति के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

14 नवंबर से शुरू होने वाली है खरीदारी

बेमेतरा। 14 नवंबर से जिले के 100 से अधिक केंद्र में धान खरीदी शुरू होने वाली है। इस बीच सहकारी समिति में काम करने वाले सभी कर्मचारी अपनी मांग को लेकर

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। ये संभाग स्तर पर दुर्ग में धरना दे रहे हैं। इसमें दुर्ग संभाग में आने वाले सात जिले, जिसमें बेमेतरा के कर्मचारी भी शामिल हो रहे हैं। 14 नवंबर से शुरू होने वाले धान खरीदी को लेकर संकट के बादल छाए हुए हैं। इस बार बेमेतरा जिले से करीब एक लाख किसानों ने धान बेचने के लिए पंजीयन कराया है।

दुर्ग के धरने में शामिल हो रहे बेमेतरा जिले के कर्मचारियों ने बताया कि उनकी तीन सूत्रीय मांग है, जिसमें एमपी सरकार की तर्ज पर सहकारी समितियों के कर्मचारियों के लिए प्रत्येक वर्ष तीन लाख रुपये प्रबंधकीय अनुदान राशि दी जाए। कर्मचारी सेवानियम 2018 में संशोधन करते हुए पुनरक्षित वेतनमान लागू कर जरूरी कंडिकाओं में परिवर्तन किया जाए। धान खरीदी अनुबंध में परिवर्तन करते हुए धान में सूखत मान्य किया जाए।

राशन वितरण पर पांच क्विंटल क्षतिपूर्ति या पांच हजार रुपये दिया जाए। वहीं, इनके हड़ताल में चले जाने जाने से सहकारी समितियों में धान खरीदी पंजीयन, धान की प्रारंभिक तैयारी, धान खरीदी साथ ही भारत सरकार के कम्प्यूटराइजेशन कार्य, केआरपी ब्याज, अनुदान पोर्टल, खाद बीज वितरण, राशन वितरण जैसे जनकल्याणकारी कार्य प्रभावित हो रहे है।

इधर, जिला स्तर पर अधिकारियों द्वारा खरीदी की तैयारी को लेकर केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने धान उपार्जन केंद्र ग्राम बीजाभाट का दौरा कर तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों की सुविधा के लिए धान खरीदी केंद्र पर छाया, पानी, बैठने की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान बेचने आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसी प्रकार गिरदावरी कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए ही गिरदावरी सत्यापन का भी जायजा लिया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

हाथी ने ग्रामीण को कुचलकर उतारा मौत के घाट

रायगढ़। रायगढ़ जिले में शनिवार की सुबह हाथी के हमले से एक ग्रामीण की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई मे जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, धरमजयगढ़ वन मंडल के बोरो रेंज के जमरगी डी बीट के जंगल में हाथी ने रामपुर निवासी रमलू तिर्की को कुचलकर मौत उतार दिया। बताया जा रहा है कि ग्रामीण किसी काम के सिलसिले मे जंगल की तरफ गया था। इसी दौरान हाथी से आमाना-सामना हो जाने के बाद यह घटना घटित हुई है। हाथी के हमले से एक ग्रामीण की मौत होने की जानकारी मिलते ही धरमजयगढ़ वन मंडल की टीम मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई मे जुट गई है।

सरसों तेल से भरे ट्रक में लगी आग, हाईवे पर लगा रहा जाम

कबीरधाम। शुक्रवार देर रात करीब 2 से तीन बजे के बीच कवर्धा से जबलपुर नेशनल हाईवे सड़क पर एक ट्रक में आग लग गई। ट्रक में सरसों का तेल भरा हुआ था। ट्रक के चालक व परिचालक ने कूद कर अपनी जान बचाई है। घटना कवर्धा सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम जोराताल से सिंघनपुरी के बीच हुई है। हाईवे सड़क पर ट्रक में आग लगने के कारण दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। इस बीच रायपुर से कवर्धा होते हुए जबलपुर जाने वाली यात्री बस भी जाम में फंस गए। ऐसे में यात्रियों को परेशानी हुई। करीब दो घंटे कवर्धा -जबलपुर नेशनल हाईवे जाम रहा। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर फायर बिग्रेड की टीम ने करीब डेढ़ घंटे के मशक्कत बाद आग पर काबू पाया है। राहत की बात है कि इस घटना में कोई भी हताहत नहीं है। वहीं, आग लगने का कारण भी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

भिखारिन से 200 लेकर पीया शराब, आरक्षक सुरेश निलंबित

बिलासपुर। महामाया मंदिर, रतनपुर में तैनात आरक्षक सुरेश पाण्डेय ने भिखारिन महिला के 200 रुपए लेकर उसे चिल्हर देने का झांसा देकर फरार हो गया, कुछ ही देर बाद वह सिपाही शराब के नशे में रानीगांव इलाके में सडक़ पर पड़ा हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने सिपाही को तत्काल निलंबित करने का आदेश जारी किया। महामाया मंदिर परिसर में ड्यूटी पर तैनात पुलिस आरक्षक सुरेश पाण्डेय से एक भिखारिन महिला ने चिल्हर रुपए मांगते हुए उसे 200 रुपए दिए। सिपाही ने पैसे लेकर महिला को चिल्हर लाकर देने की बात कही, लेकिन पैसे लेकर वह वहां से गायब हो गया। महिला ने काफी देर तक उसका इंतजार किया। जब वह नहीं लौटा, तो उसने मंदिर परिसर में मौजूद लोगों को इसकी जानकारी दी। सीसीटीवी फुटेज की जांच में सिपाही सुरेश पाण्डेय को पैसे लेकर जाते हुए देखा गया, जिसे महिला ने भी पहचान लिया। घटना के कुछ समय बाद वही आरक्षक शराब के नशे में धुत हालत में रानीगांव इलाके में सडक़ किनारे पड़ा मिला।

रामानुजगंज फोरेस्ट रेंज में बाघ के पैरों के निशान

बलरामपुर। रामानुजगंज और बलरामपुर फॉरेस्ट रेंज में बीते कुछ दिनों से बाघ की मूवमेंट को वन विभाग ट्रैक कर रहा है। शुक्रवार को बाघ के फुट प्रिंट दिखाई देने के बाद हड़कंप मच गया है। जिसके बाद वन विभाग अलर्ट हो गया। फॉरेस्ट की टीम फुट प्रिंट को ट्रैक कर टाइगर की मूवमेंट को ट्रैक करने की कोशिश कर रही है। रामानुजगंज रेंजर संतोष पांडेय ने मीडिया से बात कर बताया कि पिछले तीन-चार दिनों से हमारे वन पी 979 जंगल में बाघ के फुट प्रिंट मिल रहे हैं। ये पलगी सुरहर और त्रिकुंडा गांव के आसपास का क्षेत्र है। वन विभाग की टीम लगातार बाघ के पैरों के निशान की मॉनिटरिंग कर रही है। रेंजर संतोष पांडेय ने बताया कि आसपास के गांव के लोगों को जंगल में ना जाने को कहा गया है। जंगल से लगे कई गांवों में अलर्ट जारी करते हुए बाघ के मूवमेंट की मुनादी कराई गई है। रेंजर ने बताया कि वन विभाग की टीम सुबह से लेकर शाम तक जंगल में नजर रख रही है। लगातार गश्त भी किया जा रहा है। लोगों को समझाइश दी जा रही है वे घरों में ही रहे।

हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम भादुड़ी हुए रिटायर

बिलासपुर। हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम भादुड़ी शुक्रवार को रिटायर हो गए। अपने 11 साल के कार्यकाल में उन्होंने कुल 35 हजार 747 मामलों का निराकरण किया, जिसमें से 540 नजीर बने। चीफ जस्टिस के कोर्ट रूम में हुए विदाई समारोह में जस्टिस भादुड़ी ने कहा कि यह ईश्वर और परिजनों के आशीर्वाद से संभव हो सका। इस दौरान उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट उनके जीवन के स्कीम में नहीं है। हालांकि वे कल से कोर्ट में नहीं बैठेंगे, लेकिन विधि के क्षेत्र में सक्रियता बनी रहेगी। जस्टिस गौतम भादुड़ी का विदाई समारोह चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के कोर्ट रूम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में सीजे सिन्हा ने जस्टिस भादुड़ी के कार्यकाल पर अपनी बात रखते हुए न्यायपालिका में उनके योगदान की सराहना की। इसके बाद महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन भारत, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमाकांत सिंह चंदेल और डिप्टी सॉलिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा ने अपनी बातें रखीं। 10 नवंबर 1962 को प्रसिद्ध वकील एस के भादुड़ी (पिता) के परिवार में जन्म हुआ।

जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत को अंग्रेजों ने तथ्य व सत्य से परे जाकर विलुप्त करने का कुचक्र रचा: पुरोहित

- **मुख्य अतिथि दीवान ने जनजातीय समाज की जागरुकता और विशिष्ट अतिथि अमरीका ने शिक्षित जनजातीय समाज पर बल दिया**

बागबाहरा। आरण्यक, ग्राम्य और नगरीय जीवन शैलियों को एक सूत्र में पिरोने वाली भारतीय संस्कृति का सांस्कृतिक प्रतिनिधित्वकर्ता भारत का जनजातीय समाज ही है, जिसका अपना एक गौरवशाली इतिहास और सामाजिक संगठन है, जिसकी समृद्ध परंपराएँ और गहरी आध्यात्मिक चेतना हमें उनसे बहुत कुछ सीखने के लिए प्रेरित करती है। भारत के इतिहास में जनजातीय समाज के उल्लेखनीय योगदान को अंग्रेजों ने षड्यंत्रपूर्वक विलुप्त किया और जनजातीय समाज को पिछड़ा, गरीब और हाशिए पर पड़ा समाज बताया। स्थानीय शासकीय खे.ल. महाविद्यालय में जनजाति गौरव दिवस के

निमित्त शुक्रवार को %जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत% विषय पर आहूत व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता की आसंदी से वरिष्ठ पत्रकार अनिल पुरोहित ने उक्त विचार व्यक्त किए।

पत्रकार श्री पुरोहित ने अपने संबोधन में जनजातीय समाज के प्रति भारत में व्याप्त मिथ्या धारणाओं को समाप्त करने की जरूरत पर बल देते हुए कि भारतीय संस्कृति और सीमाओं के अतिक्रमण के इरादे से आए मुगल आक्रांताओं और बाद में ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ सतत संघर्ष जनजातीय समाज का गौरवशाली अध्याय है, जिसे अंग्रेजों ने अपने झूठ और तथ्य व सत्य से परे जाकर केवल इसलिए विलुप्त करने का कुचक्र रचा, क्योंकि अंग्रेजी सत्ता को सबसे अधिक चुनौती तब भारत के वन्य क्षेत्रों से ही मिली थी, जिससे ब्रितानी हुक्मरानों का अहं चोटिल हुआ था। पुंजा भील, रानी दुर्गावती, तिलका मांझी, बुद्धु भगत, भीमा नायक से लेकर भगवान बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह, गुण्धाधुर आदि जनजातीय समाज के हुतात्मा बलिदानियों की चर्चा करते हुए श्री पुरोहित ने जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक, आध्यात्मिक विषयों के साथ ही उनकी समृद्ध ज्ञान-परंपरा पर भी प्रकाश डाला। श्री पुरोहित ने कहा कि जनजाति समाज पुरातन काल से प्रकृति पूजक रहा है। स्त्री-पुरुष में समानता का भाव जनजाति समाज की समृद्ध संस्कृति का हिस्सा है। आज नई पीढ़ी को उस परम्परा और ज्ञान से अवगत कराने की आवश्यकता है। जनजातीय समाज के प्रति व्याप्त विकृत धारणाओं को खत्म करना और जनजातीय समाज के समूचे गौरवशाली इतिहास का अध्ययन व अध्यापन आज समय की मांग है।

व्याखायानमाला के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत के सभापति धरम दीवान ने कहा कि आज जनजातीय समाज को जागरूक होने की अत्यंत आवश्यकता है क्योंकि पुरातनकाल से जमीन, जंगल सभी जनजातियों का रहा है लेकिन जागरूकता के अभाव में अब यह कम होता जा रहा है। अत: सभी पढ़-लिखकर अपना अधिकार जानें। विशिष्ट अतिथि जुनवानी की सरपंच अमरीका ध्रुव ने कहा कि हम आदिवासी शिक्षित होंगे तो समाज शिक्षित होगा। जब समाज शिक्षित होगा तो जनजातीय समाज में जागरूकता आएगी और समाज का विकास हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य बी.एस. ठाकुर ने कहा कि यह दिन जनजाति समुदाय के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान और उनके प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए समर्पित है। महारानी दुर्गावती की 500वीं जयंती पर आहूत इस कार्यक्रम का शुभारंभ रानी दुर्गावती, बिरसा मुंडा, वीर गुण्डाधुर, वीर नारायण सिंह, दयावती कंवर के चित्र में धूपदीप, पुष्प अर्पण से हुआ। कार्यशाला के उद्देश्य पर व्याख्यानमाला के सह-संयोजक क्रीड़ाधिकारी पालन कुमार दीवान ने प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समाज से संबंधित रंगोली, चित्रकला, निबंध लेखन, फैंसी ड्रेस, ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा जनजाति वेशभूषा, कला, संस्कृति, वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी भी रखी गई थी, जिसे काफी सराहना मिली। देशभर के जनजातीय समुदाय के क्रांतिकारियों की शौर्यगाथा के पोस्टर भी लगाए गए थे। कार्यशाला का संचालन व्याख्यानमाला के संयोजक सहा. प्राध्यापक गजानंद बुडेक ने किया एवं आभार प्रदर्शन प्रयोगशाला तकनीशियन नीलमणी साहू ने किया। कार्यशाला को सफल बनाने में प्राध्यापक शिवगोपाल रात्रे, धनुर्जय साहू, खिलावन पटेल, कोमल सोनवानी, कल्याणी नाग, नितिशा बजाज, सौरभ जैन प्रमुख ग्रंथपाल डॉ .लक्ष्मण सिंह साहू के साथ छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

एनएसयूआई प्रदेश सचिव केतन तिवारी हटाए गए

रायपुर। विगत दिनो पुराने कंकाली अस्पताल चौक से आजाद चौक जाने की मार्ग पर देर रात तेज रफ्तार वाहन चालन से बिजली खंभे व कुछ अन्य वाहनों को क्षति पहुंचाने के बाद भी मौके पर मौजूद लोगों से दुर्व्यव्यहार करने के बाद पुलिस एफआईआर हुई थी .अज्ञात युवक का नाम पुलिस के द्वारा एनएसयूआई प्रदेश सचिव केतन तिवारी के रूप में सामने लाया गया। यह भी जानकारी आई थी कि युवक नशे की हालत में था। पार्टी की छवि धूमिल करते पाये जाने वाले कृत्य के बाद एनएसयूआई के प्रभारी आकाश चौधरी ने केतन तिवारी को पदमुक्त कर दिया है।

वनरक्षक के 1484 पदों पर भर्ती के लिए फिजिकल टेस्ट 16 नवंबर से

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में वनरक्षक के 1484 पदों पर सीधी भर्ती के लिए वर्ष 2023-24 में आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया था। इसके लिए 16 नवंबर से शारीरिक मापजोख और दक्षता परीक्षण शुरू होगा। इस संबंध में विभाग ने प्रवेश पत्र जारी कर दिया है। राज्य में कुल 17 नोडल वनमण्डलों (रायपुर, महासमुंद धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, कवर्धा, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, सरगुजा, जशपुर, कोरिया, कांकेर, कोण्डागांव, जगदलपुर, दंतेवाड़ा एवं बीजापुर) में शारीरिक मापजोख और दक्षता परीक्षण होगा। शारीरिक मापजोख एवं दक्षता परीक्षण के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची वनमण्डलवार, नोडलवार एवं अनुक्रमांकवार विवरण विभागीय वेबसाइट www.forest.cg.gov.in पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन प्रवेश पत्र विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। जो अभ्यर्थी अस्वस्थता या किसी अन्य परीक्षा में शामिल होने के कारण निर्धारित तिथि में अनुपस्थित रहते हैं, उपयुक्त प्रमाण पत्र सहित उपस्थित होने पर अंतिम दिवस को परीक्षण के अवसर प्रदान किया जायेगा।

10वीं और 12वीं कक्षा के लिए जनवरी के अंतिम सप्ताह में प्री-बोर्ड परीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए खुशखबरी है। छात्रों को बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधारने का एक और मौका दिया जा रहा है। शासकीय हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी विद्यालयों में कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार के उद्देश्य से इस साल से प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन जनवरी के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने यह कदम छात्रों की बोर्ड परीक्षा की तैयारी को मजबूत बनाने और उनकी सफलता की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए उठाया है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने सभी जिला कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देश के अनुसार, प्री-बोर्ड परीक्षा प्रत्येक जिले द्वारा आयोजित की जाएगी, जिसमें छात्रों से पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे। साथ ही, 10वीं और 12वीं का पाठ्यक्रम 10 जनवरी 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि छात्रों को पर्याप्त समय मिल सके।

रायपुर पुलिस ने पकड़ी 22 लाख की अफीम, 3 गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस ने करीब चार किलो अफीम के साथ झारखंड से यहां पहुंचे तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो तस्कर झारखंड और एक भिलाई निवासी है। इनके एक साथी का नाम सामने आया है, वह भी झारखंड का ही है। पुलिस ने अभी इनके लोकल लिंक को गिरफ्त में नहीं लिया है, जिसके जरिया यहां अफीम खपाया जाना था। तीनों आरोपी जेल भेज दिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मोह। जसिद मिर, लेव मिंज, जसवंत सिंह बताए गए हैं। इनकी गिरफ्तारी आर.डी.ए। कार्यालय कौशल्या माता विहार के पास सेक्टर 5 से हुई। बरामद अफीम की कीमत 22 लाख बताई गई है। आरोपियों ने नशे का सामान गुमला जिले से लेकर आने की जानकारी पुलिस को दी है। जसिद और लेव मिंज गुमला जिले के ही हैं। तीसरा आरोपी जसवंत सिंह 65 वर्ष कुरूद हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जामुल भिलाई का निवासी है। इससे पहले रायपुर में श्यामनगर इलाके में रहने वाले दो आरोपियों को अलग-अलग जगहों पर अफीम के साथ दबोचा गया था। ये लोग भी झारखंड से ही अफीम लाते या मंगाते रहे हैं। पुलिस ने एफआईआर में महेश साहू नामक एक व्यक्ति को भी आरोपी बनाया है।

दूधाधारी मठ में मनाया गया गोपाष्टमी

रायपुर। दूधाधारी मठ में गोपाष्टमी का पर्व

मनाया गया, इस अवसर पर गौशाला में गौ माता की पूजा अर्चना की गई उन्हें पुष्पमाला पहनकर, तिलक लगाकर मिष्ठान का भोग लगाया गया। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने गोपाष्टमी के संदर्भ में कहा कि आज ही के दिन माता यशोदा से आशीर्वाद प्राप्त करके भगवान श्री कृष्ण चंद्र ने गौचारण प्रारंभ किया था। गौ माता संपूर्ण विश्व की माता है हमें उनका संरक्षण एवं संवर्धन करना चाहिए। इस अवसर पर विजय पाली, नागा महाराज, रामावतार दास, रामदेव दास, अंकित, रामप्रिय दास, रामलोचन दास, जय शुक्ला, हर्ष दुबे, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण उपस्थित थे।

राज्य स्तर पर जनजातीय गौरव दिवस का व्यापक आयोजन 15 को

प्रधानमंत्री मोदी जमुई बिहार से करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ, छत्तीसगढ़ के कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे

रायपुर। भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को राजधानी रायपुर में जनजातीय गौरव दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जमुई बिहार से वर्चुअल रूप से जुड़कर इस समारोह का शुभारंभ करेंगे और पीएम जनमन योजना में शामिल जिलों के हितग्राहियों से चर्चा भी करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर राजधानी रायपुर के अलावा राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी एक दिवसीय गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस के शुभारंभ कार्यक्रम का लाईव प्रसारण पीएम जनमन योजना में शामिल जिलों में दो तरफा संवाद एवं शेष जिलों में केवल प्रसारण की व्यवस्था की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जमुई, बिहार से गौरव दिवस का शुभारंभ कर संबोधित करेंगे। इस मौके पर आयोजित होने वाली कार्यक्रमों में केन्द्र व राज्य के मंत्रीगण, सांसद, विधायक तथा पंचायत प्रतिनिधि, जनजातीय परिवार के सदस्यों को आमंत्रित किया जाएगा साथ ही अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित

करने कहा गया है।

जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन में स्थानीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान एवं उनके वंशजों को सम्मानित किया जाएगा। पी.एम. जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम स्तर, विकासखंड स्तर एवं जिला स्तर पर योजनाओं का प्रचार-प्रसार के साथ ही 15 से 26 नवंबर, 2024 तक सभी चिन्हांकित ग्रामों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभा में वन अधिकार अधिनियम, पेसा अधिनियम, सतत् विकास लक्ष्य का पंचायत स्तर पर स्थानीयकरण एवं गौरवशाली जनजातीय इतिहास के बारे में चर्चा की जाएगी।

जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर जिला स्तर, विकास खण्ड स्तर और छात्रावास-आश्रमों एवं प्रमुख स्थानों पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। आश्रम, छात्रावास, एकलव्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच खेलकूद, निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, छात्रवृत्ति संबंधी जागरूकता, कैरियर काउंसलिंग, चित्रकारी भाषा एवं जागरूकता रैली का आयोजन भी होगा।

जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर 15 से 26 नवंबर तक की अवधि में सुविधानुसार पृथक-पृथक दिवसों में जिला स्तर पर सामाजिक, आर्थिक विकास, आजीविका एवं उद्यमिता, कला-संस्कृति और धरोहर, शिक्षा एवं कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं जीवन शैली पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा स्वीकृत गतिविधियों में जन जागरूकता शिविर, विकास प्रदर्शनी लगाने के भी निर्देश प्रमुख सचिव ने दिए हैं।

केशकाल घाट में 15 दिन का मेगा बंद, यातायात रहेंगे प्रभावित

कोंडागांव। कोंडागांव जिला प्रशासन ने केशकाल घाट मार्ग को 10 नवंबर से 25 नवंबर तक 15 दिनों के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। इस अवधि में घाट के छह प्रमुख मोड़ों का नवीनीकरण कार्य किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 19 करोड़ 61 लाख रुपये है। यह कदम केशकाल घाट पर लगातार लगने वाले जाम की समस्या को हल करने और सुरक्षित यातायात को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

केशकाल घाट मार्ग पर छोटे वाहन जैसे कार और दुपहिया वाहन रायपुर से जगदलपुर की ओर जा सकेंगे, लेकिन जगदलपुर से रायपुर की ओर आने वाले इन वाहनों को बटराली-गोबरहीन-गढ़धनोरा-रांधा-उपरमूरवेंड-मुरनार होते हुए कांकेर-धमतरी-रायपुर का वैकल्पिक मार्ग दिया गया है। यात्री बसों के लिए केशकाल घाट मार्ग पूरी तरह बंद रहेगा, जिसके लिए एक नया रूट निर्धारित किया गया है। जगदलपुर से रायपुर जाने वाली बसें अब विश्रामपुरी चौक, गोविंदपुर और दुधावा के रास्ते से गुजरेंगी और यही मार्ग रायपुर से जगदलपुर आने वाली बसों के लिए भी होगा। भारी मालवाहक वाहनों के लिए भी एक अलग मार्ग तय किया गया है। जगदलपुर से रायपुर जाने वाले वाहन अब विश्रामपुरी-मालगांव-बोरई-नगरी-दुगली-कुरूद होते हुए रायपुर जाएंगे। इसी तरह रायपुर और राजनांदगांव से आने वाले मालवाहक वाहन रायपुर-धमतरी-कांकेर-अंतागढ़-नारायणपुर-कोंडागांव होते हुए जगदलपुर पहुंचेंगे। प्रशासन का दावा है कि 15 दिनों के इस मेगा बंद से घाट में होने वाले कांक्रीटिंग और डामरीकरण कार्य के बाद जाम की समस्या से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा। इसके लिए व्यापक योजना बनाई गई है, जिसमें घाट के 6 प्रमुख मोड़ों को सुधारकर वहां कंक्रीटिंग और डामरीकरण किया जाएगा।

चेकिंग में युवकों से पकड़ाया 8 लाख रुपए नगद

रायपुर। रायपुर में उपचुनाव को लेकर चल रही चेकिंग अभियान में 8 लाख रुपए कैश पकड़ा गया है। बाइक सवार युवक बैग में रुपए रखे हुए थे। पुरानी बस्ती पुलिस ने जब युवक से पैसों को लेकर कागजात की मांग की तो उसके कोई डॉक्यूमेंट नहीं थे। इसके बाद पैसे को मॉनिटरिंग सेल में भेज दिया गया है। चुनावी टीम की यह दूसरी जब्ती है। इससे पहले आचार संहिता लगने के अगले ही दिन टिकरापारा पुलिस ने जगदलपुर से लाए गए रायपुर के सराफा कारोबारी के 8 करोड़ के जेवर जब्त कर मामला आयकर विभाग को सौंप दिया था।

उप चुनाव के मद्देनजर तैनात स्थैतिक टीम ने कल देर शाम एक बाइक से 8 लाख रुपए नगद बरामद किए। थाना पुरानी बस्ती एवं सीआरपीएफ की डी-62

कम्पनी के साथ बुढ़ेश्वर चौक व पंकज गार्डन के पास चेकिंग पॉइंट लगाया था। वाहनों की चेकिंग के दौरान बाइक हीरो एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 04 एम यू 1675 के चालक के पास रखे काले रंग के बैग में 8 लाख नगद मिले। वह इसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आचार संहिता होने से उक्त रकम को जप्त कर अग्रिम कार्रवाई हेतु जिला मॉनिटरिंग सेल को भेज दिया गया।

धर्मांतरण के मुद्दे पर गरमाई सियासत

■ **प्रार्थना घर को लेकर आदिवासी और हिंदू संगठनों के बीच तनाव**

बिलासपुर। जिले में एक बार फिर धर्मांतरण का मुद्दा गरमाने लगा है। अब यह आग आदिवासी समुदाय के प्रार्थना घर को लेकर फैली है। जिसे लेकर सियासत भी गरमा गई है। पक्ष-विपक्ष धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर आमने-सामने आ गए हैं। इतना ही नहीं, इस मुद्दे को लेकर सामाजिक लोग भी लामबंद होने लगे हैं। हिंदू संगठन और आदिवासी समाज खुलकर मुखर हो गए हैं।

बिलासपुर जिले में धर्म नगरी रतनपुर से 25 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत पुडु के आश्रित ग्राम बंगलाभाठा में आदिवासी समाज ने आदिवासी सामुदाय के प्रार्थना सभा घर का निर्माण कराया है। बीते दिनों इसके उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें कुछ बिशप और कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव बतौर अतिथि शामिल होने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही भाजपा नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव हिन्दू संगठनों के साथ लामबंद हो

गए और प्रार्थना घर के विरोध में उतर गए। इस दौरान उन्होंने सीधे तौर पर प्रार्थना घर के बहाने क्षेत्र में धर्मांतरण के षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए। कांग्रेस विधायक को ही कटघरे में खड़े कर दिया और कांग्रेस विधायक को धर्मांतरण का एजेंट बता दिया। इस विरोध के बीच प्रार्थना घर के उद्घाटन का कार्यक्रम जरूर टल गया। लेकिन अब इस पर सियासत और सामाजिक लामबंदी शुरू हो गई है, जिससे धर्मांतरण का मुद्दा सुलग गया है। कोटा के कांग्रेस विधायक और आदिवासी समाज के लोग इसे लेकर अब एकजुट हो गए हैं। कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने सीधे तौर पर धर्मांतरण के नाम पर भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस विधायक का कहना है कि भाजपा और भगवा धारी गुंडे कोटा क्षेत्र में अशांति फैलाना चाहते हैं। इसलिए जानबूझकर धर्मांतरण के आड़ में इसपर राजनीति कर रहे हैं। प्रार्थना घर आदिवासी समुदाय ने मिलकर बनाया है। धर्म को मानने न मानने की सबकी अपनी स्वतंत्रता है। इसके बावजूद भाजपा और धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले संगठन इसे धर्मांतरण से जोड़ रहे हैं। कांग्रेस विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि यही स्थिति रही तो बलौदाबाजार और लोहारीडीह जैसी घटना यहां भी होगी। इधर कोटा विधायक के साथ आदिवासी समाज ने मामले में पुलिस से अशांति फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग के साथ उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। अब इस मामले में संत समाज की भी एंट्री हो चुकी है। संत समाज ने कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि विधायक अटल श्रीवास्तव ने हिंदू समुदाय को भगवा गुंडे कहकर संबोधित किया है, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।

दीपक बैज ने भाजपा पर रायपुर दक्षिण के मतदाताओं को बांटने का लगाया आरोप

■ **पीसीसी चीफ ने प्रेस कांफ्रेंस में दिखाया कमल छाप ताशपत्ती**

रायपुर। पीसीसी चीफ़ दीपक बैज ने आज प्रेस कांफ्रेंस में कमल छाप ताश पत्ती दिखाते हुए भाजपा पर रायपुर दक्षिण में चुनाव सामग्री के रूप में बांटने का आरोप लगाया। बैज ने इसके साथ ही भाजपा पर अवैध सट्टा कारोबार चलाने का आरोप लगाया है। यह भी पढ़ें = मोबाइल को लेकर भाइयों में विवाद, छोटे भाई ने पीया जहर

पीसीसी चीफ़ दीपक बैज ने राजीव भवन में आज प्रेस कांफ्रेंस कर ताश का एक पैकेट दिखाया। कमल फूल और उसके ऊपर भाजपा का नाम लिखे पैकेट और कार्ड को दिखाते हुए इसे रायपुर दक्षिण की जनता को बांटने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि यह भाजपा की यह प्रचार सामग्री है, जो एक-एक युवा के घर में बँट रहा है। प्रदेश में अपराध और अपराधियों का मनोबल चरम पर है। गली-गली शराब बिक रही है, सूखे नशे की चपेट में युवा है और अब प्रचार सामग्री के रूप में में भाजपा जुआ खेलने के लिए ताश बाँट रही है।

उन्होंने कहा कि अवैध सट्टा का कारोबार चलाने का ठेका भाजपा ने ले लिया है, और युवाओं को चुनाव के लाभ के लिए सटोरी बनाने की तैयारी है। लेकिन दक्षिण की मतदाता समझ रही है कि उन्हें

अपने बच्चों का भविष्य कैसे बनाना है, और चुनाव में सभी जवाब देने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और नेताप्रतिपक्ष चरणदास महंत समेत सभी वरिष्ठ नेता और एक-एक कार्यकर्ता रायपुर दक्षिण में जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे हैं। लेकिन बीजेपी के सभी कार्यकर्ता अभी भी दिवाली ही मना रहे हैं। इसके साथ उन्होंने हार के डर से भाजपा पर लोगों को प्रलोभन देने का आरोप भी लगाया।

दुर्ग में अपराधी के एनकाउटर को लेकर सवाल खड़े करते हुए बैज ने सरकार पर पाप धोने और असफलताओं को छुपाने के लिए ये छोटे एनकाउंटर करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस को बधाई भी दी है लेकिन यह भी कहा कि एक एनकाउंटर करने से पुलिस और सरकार को कौन सी बड़ी सफलता मिल गई है।

उन्होंने पलारी में पुलिस पर कार्रवाई को लेकर भी निशाना साधते हुए कहा कि दारू पीकर सड़क पर नाचते नगर पंचायत अध्यक्ष पर कार्रवाई के बजाय सरकार पुलिस पर कार्रवाई कर रही। उन्होंने टीआई के सतनामी समाज से होने के चलते निलंबित करने पर भी सरकार से सवाल किया है, और अपने लोगों को बचाने के लिए पुलिस पर कार्रवाई करने का आरोप लगाया है ।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने जबलपुर हाईकोर्ट के फ़ैसले के बाद कचरू साहू की बेटी लालेश्वरी को बधाई देते हुए कहा कि जबलपुर हाईकोर्ट ने एक बार फिर से पोस्टमार्टम के लिए आदेश दिया है, पिता के लिए संघर्ष कड़ी बेटी के लिए ये बड़ी जीत है, और साय सरकार के मुंह में सबसे बड़ा तमाचा है।

बृजमोहन ने कांग्रेस को दी चुनौती, पिछले चुनाव से ज्यादा वोट पाकर दिखाएं

रायपुर। दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान में तीन दिन बाकी रह गए हैं। मुख्य मुकाबला कांग्रेस व भाजपा के बीच ही है। अब तक इस सीट पर विधायक रहने का रिकार्ड बनाने वाले बृजमोहन अग्रवाल रायपुर सांसद बन चुके हैं लेकिन अपनी रिक्त सीट पर पसंद के प्रत्याशी सुनील सोनी को न केवल उतारा है बल्कि उसे जिताने पूरी ताकत भी झोंक रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होने कांग्रेस को सीधे-सीधे चुनौती दे दी है कि पिछले चुनाव में जितना वोट कांग्रेस को मिला था उससे ज्यादा पाकर दिखायें। बताना जरूरी होगा कि बृजमोहन अग्रवाल पिछला चुनाव महंत रामसुंदर दास को हराकर 67 हजार वोट से चुनाव जीते थे।

धान खरीदी पर रार: अमरजीत भगत ने सरकार पर बिचौलियों और कालाबाजारी को बढ़ावा देने का लगाया आरोप

■ **मंत्री श्याम बिहारी बाजपेयी किया पलटवार**

रायपुर। प्रदेश में धान खरीदी शुरू होने से हर बार की तरह इस बार भी सियासत तेज है। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत 14 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने पर भाजपा सरकार को जहां कटघरे में खड़ा किया है, तो वहीं दूसरी ओर साय सरकार में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि साय सरकार किसानों का एक-एक दाना खरीदेगी।

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने मीडिया से चर्चा में कहा कि एक ओर धान खरीदी के लिए हमने टारगेट बढ़ाया था, तो दूसरी ओर किसानों के लिए सुविधाएं भी बढ़ाई थी। यही नहीं धान खरीदी केंद्रों के साथ-साथ समय में भी बढ़ोतरी की थी। 14 नवंबर को खरीदी शुरू करने से धान की कालाबाजारी तो होगी, इसके साथ बिचौलियों को भी फायदा होगा।

वहीं रायपुर दक्षिण उपचुनाव को लेकर अमरजीत भगत ने कहा कि 3 दिनों का समय शेष

है, इस दौरान सघन चुनाव प्रचार होगा। सीट पर कांग्रेस की जीत का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल समेत हम सभी प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि दक्षिण में बृजमोहन से बड़ा नेता कौन है? कितनी बार से जीत रहे हैं, अकेले काफी है। दूसरा पक्ष यह है कि सब लोगों ने बृजमोहन को छोड़ दिया है।

धान खरीदी पर अमरजीत भगत के सवालों का जबाव देते हुए कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार 110 लाख मीट्रिक टन से ऊपर धान नहीं खरीद पाई थी। हमारी सरकार आने के बाद 145 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी हुई है। उनके डेढ़ गुना से थोड़ा कम हम खरीदे। अमरजीत भगत क्या बात करेंगे, उनके समय में किसानों का शोषण और कालाबाजारी होती थी, किसानों को दर-दर की ठोकर खानी पड़ती थी। उन्हें 2 सालों का पिछला बोनस नहीं दिया। कांग्रेस को किसानों के बारे में बोलने का कोई हक नहीं है।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के प्रचार करने पर कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि ये सभी पहले भी प्रचार कर चुके हैं। विधानसभा और लोकसभा में नतीजा क्या हुआ ये सभी में देखा है। भाजपा की जीत निश्चित है। चुनाव में एक वातावरण बनता है। लेकिन वोटर जानते हैं कि किसे वोट देना है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड कांकेर, जिला- उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

निविदा क्र. 05 /ले.शा./का.अ./ लो.स्वा.यां. /खण्ड/2024 कांकेर, दिनांक 29.10.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से कांकेर जिले विकासखण्ड अंतागढ में नवीन प्रयोगशाला भवन निर्माण कार्य एवं घड़ी चौक से पण्डरीपानी तक चौड़ीकरण के मार्ग में आने वाले UPVC पाईप लाईन शिफ्टिंग का निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैं:-

समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रु.लाख में)
01	कांकेर जिले के विकासखण्ड अंतागढ़ में नवीन प्रयोगशाला भवन निर्माण कार्य।	12.12
02.	जिला कांकेर के घड़ी चौक से पण्डरीपानी तक चौड़ीकरण के मार्ग में आने वाले UPVC पाईप लाईन शिफ्टिंग कार्य	16.72

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18.11.2024 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड कांकेर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

जी-242503683/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, नारायणपुर जिला-नारायणपुर (छत्तीसगढ़)

टेलीफोन नंबर 07781) 252934 ई-मेल eenar-phe-cg@nic.in", eephedn.npur@gmail.com

संसोधन सूचना क्रमांक - 02

इस कार्यालय द्वारा निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 30 दिनांक 18.10.2024 आमंत्रित की गई थी। उक्त आमंत्रित निविदा को अपरिहार्य कारणों से तिथियों में संसोधन किया जाता है। विवरण निम्नानुसार है:-

1. समय सारणी:-

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1.	निविदा प्रपत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि।	13.11.2024	सायं 4:30 बजे तक
2.	खंड कार्यालय से कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	13.11.2024	सायं 5:30 बजे तक
3.	निविदायें रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्ट डाक से प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय:-	18.11.2024	सायं 4:30 बजे तक
4.	निविदायें खोलने की तिथि एवं समय:-	18.11.2024	सायं 5:30 बजे तक

टीप:- आमंत्रित की गई निविदा की शर्तें व नियम यथावत् रहेंगी।

G.N.-242503341

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड नारायणपुर (छ.ग.)

जी-242503655/2

डोनाल्ड ट्रम्प की जीत भारत के लिए अच्छा संकेत

कृष्णमोहन झा

अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में प्रचंड जीत हासिल कर डोनाल्ड ट्रम्प दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति के 47वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने का गौरव भी प्राप्त किया है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रम्प रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे थे। डोनाल्ड ट्रम्प पहली बार 2016 के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हिलैरी क्लिंटन को हराकर राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे परन्तु 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।इस बार उनका मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस से था जिनकी स्थिति काफी मजबूत मान जा रही थी परन्तु चुनाव परिणाम उनकी उम्मीदों के विपरीत रहे। राष्ट्रपति के रूप में जो बाइडेन के कार्यकाल में ही यह आभास होने लगा था कि कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प को चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कमला हैरिस ने पूरी ताकत के चुनाव लडा परंतु अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर इतिहास रचने का उनका सपना पूरा नहीं हो सका। डोनाल्ड ट्रम्प ने इस चुनाव में मेक अमेरिका ग्रेट अगेन नारा दिया था। उनका पूरा चुनाव प्रचार इसी नारे के इर्द-गिर्द घूमता रहा। चुनाव परिणामों से यह अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि ट्रम्प का यह नारा मतदाताओं को आकर्षित करने में बेहद सफल रहा। दूसरी ओर डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के भाषणों में स्पष्टता का अभाव था। उन्हें निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन की गलतियों का खामियाजा भी भुगतना पड़ा। गौरतलब है कि जो बाइडेन ने प्रेसीडेंशियल डिबेट में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प का सामना न कर पाने के कारण चुनाव से पहले ही अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। उसके बाद कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया गया। इस कारण कमला हैरिस को चुनाव प्रचार के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल सका। इसके अलावा कमला हैरिस ने अपने भाषणों में डेमोक्रेटिक पार्टी की आर्थिक नीतियों और महत्वपूर्ण ज्वलंत अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी के दृष्टिकोण को पूरी स्पष्टता के साथ मतदाताओं के प्रस्तुत करने में भी असफल रहीं ।इसके बजाय उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प पर व्यक्तिगत आक्षेप करने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। कमला हैरिस के इन व्यक्तिगत आक्षेपों की तुलना में डोनाल्ड ट्रम्प का मेक अमेरिका ग्रेट अगेन नारा अमेरिकी मतदाताओं को आकर्षित करने में कहीं अधिक सफल रहा। डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने पर अब यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि अपने दूसरे कार्यकाल में वे भारत -अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए नये सिरे से पहल करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रम्प को दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने पर भेजे अपने बधाई संदेश में जिस तरह उन्हें मेरे मित्र संबोधन के साथ उनकी जीत को ऐतिहासिक बताया है उससे ट्रम्प के साथ मोदी की केमिस्ट्री को भली-भांति समझा जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं। मैं भारत-अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपसी सहयोग को नवीनीकृत करने हेतु तत्पर हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और कई अन्य क्षेत्रों में भारत अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की। प्रत्युत्तर में डोनाल्ड ट्रम्प ने भी भारत को शानदार देश बताते कहा कि मोदी एक शानदार इंसान हैं। पूर्व राजदूत और उप सुरक्षा सलाहकार पंकज सरन कहते हैं कि राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में भारत और अमेरिका के रिश्ते और मजबूत होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की जीत को पंकज सरन भारत के लिए अच्छा संकेत मानते हैं। उनका मानना है कि कुछ समस्याएं हैं जिनका समाधान बातचीत से निकल सकता है। पंकज सरन कहते हैं कि रूस यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के मुद्दे पर अब हम बड़ा बदलाव महसूस कर सकते हैं। पूर्व राजनयिक अशोक सज्जन हार का मानना है कि अमेरिका में कोई भी पार्टी सत्ता में रही हो , भारत और अमेरिका के संबंध में विस्तार हुआ है।

विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

ललित गर्ग

नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुर्नबहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात-घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोढ़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषत: लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता,

वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए।

भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत-सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू-कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे हैं। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पडौसी देश के मनसूंबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू-कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए।

विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी सरीखे दल यहां अलगाववाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलना चाहते हैं, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधानसभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया।

नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रूख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं। मगर उमर अब्दुल्ला जो बात पीडीपी के लिए कह रहे हैं, वही शायद उनके लिए भी कही जा सकती है, वरना वह भी यह जानते हैं कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के जिस अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था, उसकी वापसी अब इतनी आसान नहीं है। वैसे भी, इतना तो उन्हें पता ही होगा कि सिर्फ विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो जाने भर से अनुच्छेद 370 वापस आने वाला नहीं है। फिर इस समय केंद्र में भाजपा सरकार है, जो किसी भी तरह से इस पर विचार करने के मूड में नहीं है। उसकी नजर में यह एक कागज का टूकड़ा है, जो बिना विचार के रद्दी की टोकड़ी में ही जाने वाला है।

अनुच्छेद 370 को लेकर कश्मीर की जनता और राजनेताओं, दोनों को समझना ही होगा कि 70 साल तक विशेष दर्जा होने के बावजूद इससे राज्य का कोई बहुत भला नहीं हुआ। देश की मूल धारा से कटकर यह प्रांत अंधेरों से घिरा रहा है। हिंसा एवं आतंकवाद की त्रासदी को झेलते हुए विकास एवं शांति की बाट जोहता रहा है। अब विशेष दर्जा हटाने का राज्य को बहुत लाभ मिला है, वहां विकास एवं जनकल्याण के काम तेजी से हो रहे हैं, न केवल विकास योजनाएं आकार ले रही है, बल्कि वहां शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना है, आतंकवादी घटनाओं पर भी नियंत्रण किया जा सका है। मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर के विकास को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया है। देश के साथ दुनिया को यह संदेश दिया गया कि कश्मीर में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं, कश्मीर भारत का ताज है और हमेशा रहेगा।

घाटी के राजनीतिक दलों को वहां के अवाम के हित में सोचना चाहिए। क्योंकि अनुच्छेद 370 के खत्म होने से राज्य का कोई नुकसान हुआ, ऐसा नहीं दिखता। इसलिए जम्मू-कश्मीर को अब ऐसी राजनीति की जरूरत है, जो विशेष दर्जे से इतर तरक्की का नया खाका खींचे। अनुच्छेद 370 का खत्म होना इसलिये ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि वहां के लोगों ने साम्प्रदायिकता, राष्ट्रीय-विखण्डन, आतंकवाद तथा घोटालों के जंगल में एक लम्बा सफर तय करने के बाद अमन-शांति, सौहार्द एवं विकास को साकार होते हुए देखा है। उनकी मानसिकता घायल थी तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। जम्मू-कश्मीर में शांति और सौहार्द के साथ लोकतंत्र और विकास की नई इबारत लिखी गयी है। जम्मू-कश्मीर को अशांत और संवेदनशील क्षेत्र बनाए रखने की कोशिश में लगे तत्वों एवं राजनीतिक दलों से सावधान रहने की जरूरत है, भले ही वे नेशनल कॉन्फ्रेंस हो या पीडीपी या अन्य पाकिस्तान परस्ती राजनीतिक दल।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

अर्थात-कविकास के प्रभाव से मनुष्यों को क्षीणायु, निर्बल एवं दुर्बुद्धि जानकर ब्रह्मा धादि लोकपालों की प्रार्थना पर घर्म रक्षा के लिये महर्षि परावर द्वारा सत्यवती में भगवान् ने अंशांश कलारूप से अवतार धारण करके बेवों को चार भागों में विभक्त किया। विकीर्ण श्रुति-संदर्भ में से पादबद्ध, मद्य गीति और आभिचारिक मन्त्रों को वर्गशः पुम चुनकर ऋक्, यजुः, साम और अथर्व नामक चार संहिताओं को संकलित किया, जिनमें मणियों की तरह मन्त्रों का संग्रह था। इसके अनन्तर महामति व्यास ने अपने योग्य चार शिष्यों को बुलाकर प्रत्येक को एक 2 संहिता प्रदान की; जैसे कि पैल को ऋ-संहिता, वैशंपायन को यजुः-सुंहिता, जैमिनि को साम-संहिता और सुमन्त को अथर्व-संहिता ।

इस प्रकार श्री वेदव्यास जी ने विकीर्ण श्रुति-समुदाय को चार भागों में लेखबद्ध करके विभिन्न शिष्यों में बाँट दिया, और आगे उन शिष्यों ने भी अपने शिष्य-प्रशिष्यों को पढ़ाया, जिससे शिष्यैः प्रशिष्यै-स्तच्छिष्यैर्वेदास्ते शाखिनोऽभवन् के अनुसार वेद अनेक शाखाओं से सम्पन्न हो गये । पुराणों में इस रहस्य का स्फुट वर्णन विस्तारपूर्वक लिखा है, जिसे हम अनपेक्षित समझ कर यहां लिखना अनावश्यक समझते हैं। अब उस एक अर्ब संख्यात्मक आदिम पुराण का सङ्कलन भी सुनिये। वेदों का सङ्कलन कर चुकने के बाद श्रीकृष्ण द्वैपायन जी ने वेदोक्त आख्यायिका अंश, और सृष्टि-प्रक्रिया-प्रतिपादक वाक्यसमूह, तथा चिरंतन ऋषि-देवता-चरित्र-समुदाय-रूप आदिम पुराण का संकलन आरम्भ किया। विस्तृत संवादों को संक्षिप्त बना डाला और कविता चातुरी से वेद के श्लोक, गाथा, नाराशंसी, पुराकल्प, जनश्रुति एवं आख्यायिका नामक अंगों को सरल सुमधुर बना-बना कर तत्कालीन इतिहास के साथ गूंथ डाला। **क्रमशः ...**

विश्व विज्ञान दिवस

विकास

शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है। लोगों को विज्ञान के क्षेत्र में और उसके विकास के बारे में जागरूक करने के साथ ही उससे जुड़ी जरूरी जानकारियां देना इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य है। जिसे हर साल एक थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है।

शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस का उद्देश्य यह तय करना है कि अपने नागरिकों को विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे विकास के बारे जानकारी देना। यह विज्ञान के बारे में हमारी समझ को और ज्यादा बढ़ाने और समाज को विकसित बनाने में वैज्ञानिकों की भूमिका पर प्रकाश डालता है।

शांतिपूर्ण और स्थायी समाज के लिए

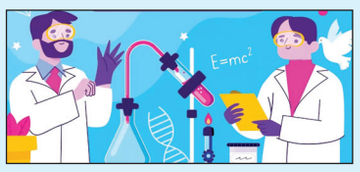

विज्ञान की भूमिका पर जन जागरूकता को मजबूत करना है। देशों के बीच साझा विज्ञान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। समाज के लाभ के लिए विज्ञान के उपयोग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना तथा विज्ञान के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करना और वैज्ञानिक प्रयास के लिए समर्थन जुटाना है।

इस दिवस की शुरुआत 1999 में विश्व विज्ञान सम्मेलन का एक परिणाम है। विज्ञान और समाज के प्रतिबद्धता के संबंध में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन बुडापेस्ट में हुआ था। जिसे यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद द्वारा सह-आयोजित किया गया था। जिसमें प्रत्येक वर्ष विज्ञान और वैज्ञानिकों के ज्ञान के उपयोग और तय किये लक्ष्यों को प्राप्त करना और उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करना था। इसी के साथ कई प्रतिनिधियों ने विज्ञान के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने की बात का समर्थन किया। इसी कार्यक्रम में इथियोपिया और मलावी के प्रतिनिधिमंडल ने ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस के साथ मिल कर विश्व विज्ञान दिवस का प्रस्ताव सबके सामने रखा।

पूरे विचार विमर्श के बाद यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड द्वारा अक्टूबर 2000 में 162 वें सत्र में यूनेस्कों ने सामान्य सम्मेलन के 31 वें सत्र में इस दिवस को अनुमोदित किया। इस सम्मेनल के सकारात्मक परिणाम स्वरूप 2001 में यूनेस्कों ने शांती और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई। इसके बाद पहला शांती और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस 10 नवंबर 2002 में मनाया गया। विश्व विज्ञान दिवस का अपनी स्थापना के बाद से ही विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। इसने दुनिया भर में अनुसंधान के लिए गंभीर परियोजनाओं, कार्यक्रमों और अनुदानों की शुरूआत की है। यह एक फंडिंग टूल से कहीं अधिक रहा है; यह युद्धग्रस्त क्षेत्रों के वैज्ञानिकों के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाने में सहायक रहा है। विश्व विज्ञान दिवस के केंद्र में उस महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना है जो विज्ञान और वैज्ञानिक सतत विकास में निभाते हैं। यह दिन विभिन्न मुद्दों पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बारे में जागरूकता फैलाने का एक अवसर है।

पिछड़े पाकिस्तान में जहर फैला रहा है भगोड़ा जाकिर नाइक

योगेंद्र योगी

विश्व के देश आपसी सहयोग से आर्थिक तरक्की कर रहे हैं, वहीं पड़ौसी देश पाकिस्तान कट्टरपन और दकियानूसी सोच के चलते रसातल में जा रहा है। पाकिस्तान को जरूरत है विश्वस्तरीय ऐसे विशेषज्ञों की जोकि विकास के सभी क्षेत्रों में दिशा दे सकें। इसके विपरीत पहले से ही बदहाली के कुए में गिरे पाकिस्तान को गहरे अंधकूप में धकेलने का काम कर रहा है कथित धर्म प्रचारक जाकिर नाइक। भारत में मोस्ट वांडेड अपराधी जाकिर नाइक लोगों को धर्म के नाम पर बेतुकी और बेबुनियाद जानकारी देकर ज्यादा जाहिल बनाने का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान पहले ही बर्बादी के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में जाकिर नाइक जैसा अपराधी उसे और धक्का लगा रहा है।

विश्व बैंक के मुताबिक पाकिस्तान में 40 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी गरीबी रेखा से नीचे रहती है। साल 2023 में पाकिस्तान में ग़रीबी दर 39 प्रतिशत हो गई थी। अर्थात एक साल के अंदर ही ग़रीबी दर 34.2 प्रतिशत से बढ़कर 39.4 प्रतिशत हो गई। इस वजह से, 1.25 करोड़ और लोगों को ग़रीबी रेखा से नीचे आना पड़ा था। इस तरह, अब पाकिस्तान में 9.5 करोड़ लोग ग़रीबी में जी रहे हैं। पाकिस्तान आईएमएफ का चौथा सबसे बड़ा कर्जदार है। पहले पाकिस्तान पांचवें नंबर पर था। पाकिस्तान जब से आजाद हुआ है, तब से आईएमएफ से मिलने वाला ये 23 बार कर्ज ले चुका है। 31 मार्च 2023 तक पाकिस्तान पर आईएमएफ का 7.4 अरब डॉलर का कर्जा था और पाकिस्तान आईएमएफ का पांचवां सबसे बड़ा कर्जदार था। नए तीन अरब डॉलर के कर्ज के साथ पाकिस्तान के ऊपर कुल 10.4 अरब डॉलर का कर्जा हो जाएगा। भारतीय करंसी में ये रकम 852.39 लाख करोड़ रुपये होती है। इस हिसाब से पाकिस्तान आईएमएफ का चौथा सबसे बड़ा कर्जदार बन जाएगा। मुल्ले-मौलवियों के इस

देश में 5 से 16 साल की उम्र के करीब 2.53 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। इनमें से 1.88 करोड़ बच्चे ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इन बच्चों में 53 प्रतिशत लड़कियां हैं। देश की इस बदहाली को दूर करने के लिए विश्व से विशेषज्ञों को आमंत्रित करने के बजाए पाकिस्तान की सरकार ने भारत के भगोड़े जाकिर नाइक को उपदेश देने के लिए देश का मेहमान बना कर बुलाया। कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में वांछित विवादास्पद इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक इस्लामाबाद, कराची और लाहौर में अपनी व्याख्यान श्रृंखला के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच पाकिस्तान में मौजूद है। पाकिस्तान में सरकार के शीर्ष नेताओं ने उनकी अगवानी की, जिसमें पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के युवा कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मशहूद और धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सैयद अता-उर-रहमान शामिल थे।

जाकिर नाइक अपने भड़काऊ भाषणों के लिए जाना जाता है और वर्तमान में भारत सरकार की राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा 2016 के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वांछित है। उस पर अपने नफरत भरे भाषण से लोगों को भड़काने का भी आरोप है। नाइक पीसटीवी नाम से एक चैनल चलाता है, जिसे उसके विवादास्पद स्वभाव के कारण भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका में प्रतिबंधित कर दिया गया है और इसके कारण उसे कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में प्रवेश से भी वंचित कर दिया गया है। पाकिस्तान पहुंचे विवादास्पद इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस पर अतिरिक्त सामान के लिए शुल्क माफ न करने को लेकर तीखा हमला किया। वह मलेशिया से पाकिस्तान यात्रा कर रहा था और एयरलाइन ने नाइक को केवल 50 प्रतिशत की छूट की पेशकश की। नाइक ने कहा कि उसके अपने देश में ऐसा कभी नहीं होता। उसने भारत की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। इस्लामी उपदेशक की ये टिप्पणियां सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। जहां कई यूजर्स ने जाकिर नाइक को ट्रोल किया और आलोचना की। यह इस्लामी उपदेशक 2016 में भारत से भागा हुआ है, जब बांग्लादेश में हुए आतंकवादी हमलों के बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआइए) ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया था। एक हमलावर ने कबूल किया था कि वह नाइक के यूट्यूब पर दिए गए उपदेशों से प्रभावित था। तब से नाइक मलेशिया में रह रहा है, जहां वह अपना उपदेश और व्याख्यान देना जारी रखे हुए है। भारत ने उसके प्रत्यर्पण की मांग की है, लेकिन मलेशिया ने अब तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केंद्र सरकार ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा है, उसकी इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन को बैन कर दिया और उनका पासपोर्ट रद्द कर दिया। इससे पहले 20 अगस्त को भारत की यात्रा पर आए मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा था कि अगर भगोड़े प्रचारक जाकिर नाइक से जुड़े मामले में पर्याप्त सबूत पेश किए जाते हैं तो देश आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देगा। भारत से फरार होने के बाद जाकिर मलेशिया में रह रहा है।

भगोड़ा इस्लामिक उपदेशक नाइक ने पाकिस्तान की यात्रा के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर मुज्जमिल इकबाल हाश्मी और अन्य सदस्यों के साथ मुलाकात की। नाइक, जब 30 सितंबर को पाकिस्तान पहुंचा था, तब लाहौर में आतंकवादी संगठन के सदस्यों द्वारा उसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। पाकिस्तान में नाइक धर्म की आड़ में नफरत और कट्टरपन फैला रहा है।

शरिया हुकूमत की बातें करने वाला जाकिर नाइक एक कार्यक्रम में अचानक भड़क गया। इस्लामाबाद में अनाथ बच्चों के लिए चैरिटी कार्यक्रम में जब अवॉर्ड देने का मौका आया तो जाकिर नाइक तिलमिला गया। पाकिस्तान स्वीट होम का कार्यक्रम था और स्टेज पर जाकिर आया तो उसने अनाथ बच्चों को अवॉर्ड देने से मना कर दिया। जाकिर ने कहा कि ये लड़कियां ना-महरम हैं और इसलिए वह अवॉर्ड नहीं देगा। ना-महरम का मतलब एक तरह की अज्ञात पहचान, अनजान, पराया होता है। नाइक की इस हरकत से पाकिस्तान के जागरुक लोगों ने उसके खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया जताई। इस कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले उसने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से गुफ्तगू की। शरीफ ने नाइक के इस्लामिक ज्ञान की तारीफ की और कहा कि वह व्यावहारिक और प्रभावशाली हैं। पाकिस्तानी चर्च सिनड (धर्मसभा) के अध्यक्ष बिशप रेव. डॉ. आजाद मार्शल ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को हाल ही में लिखे पत्र में डॉ. जाकिर नाइक की यात्रा के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी आस्था के बारे में की गई टिप्पणियों के बारे में अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने पत्र में सरकार द्वारा नाइक की टिप्पणियों को लेकर खेद व्यक्त न करने की आलोचना भी की।

पाकिस्तान में लोगों को शरीयत और इस्लाम का पाठ पढ़ाने वाले मुल्ले-मौलवियों की कमी नहीं है। इनका दखल शासन-प्रशासन तक है। पाकिस्तान में विज्ञान, टेक्नोलॉजी और आधुनिक सोच का आज भी अभाव बना हुआ है। पाकिस्तान की अवाम, घरेलू आतंकवाद, गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी से जूझ रही है। पाकिस्तान के लोगों की आपराधिक हरकतों के कारण सऊदी अरब और यूएई जैसे इस्लामिक देश वीजा पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। कट्टरता का प्रचार-प्रसार कर रहे जाकिर नाइक ने इन तमाम मुद्दों पर एक लाइन की प्रतिक्रिया तक व्यक्त नहीं की। उसके धार्मिक भाषण लोगों के जले पर नमक छिड़कने का काम कर रहे हैं।

आज का इतिहास

1946 इंग्लैंड में स्लिमब्रिज वेटलैंड रिजर्व खोला गया।
1951 संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रत्यक्ष डायल तट-टू-तट टेलीफोन सेवा शुरू की गयी।
1958 मर्चेंट हैरी विंस्टन ने स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन को होप डायमंड, दुनिया का सबसे प्रसिद्ध हीरा बताया।
1964 लियोनिड ब्रेजनेफ़ सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव चुने गए।
1969 तिल स्ट्रीट ने नेटवर्क पर अपना पहला एपिसोड प्रसारित किया।
1970 चीन की महान दीवार को पर्यटन के लिए खोला गया।
1975 एसएस एडमंड फिट्जगेराल्ड , नॉर्थअमेरिका की महान झीलों पर सबसे बड़ी नाव, झील सुपीरियर में 29 लोगों की जान के साथ डूब गई।
1975 एसएस एडमंड फिजराल्ड़, उत्तरी अमेरिका के महान झीलों पर सबसे बड़ा जहाज, 29 जीवन के नुकसान के साथ लेक सुपीरियर में डूब गया।
1982 सोवियत संघ के नेता लियोनिड ब्रेज़नेव की मौत हुई। ब्रेज़नेव ने सोवियत संघ पर 20 वर्षों तक शासन किया था।
1986 बंगलादेश में संविधान फिर लागू किया गया।
1989 जर्मनी में बर्लिन की दीवार को गिराने का कार्य शुरू हुआ।
2005 यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव रिपब्लिकन नेतृत्व बजट योजनाओं से एक प्रावधान को गिराता है जो उदारवादी रिपब्लिकन के विरोध और सीनेट में अपेक्षित विरोध के कारण आर्कटिक नेशनल वाइल्डलाइफ रिफ्यूजी को ड्रिलिंग के लिए खोल देगा।
2006 श्रीलंका के तमिल सांसद नादराजाह रवीराज कोलंबो की हत्या कर दी गयी।
2006 प्रमुख श्रीलंकाई तमिल राजनेता और मानवाधिकार वकील नादराजा रविराज की कोलंबो में हत्या कर दी गई थी।
2007 ईरान में पुलिस ने लगभग 180 सूफी मुसलमानों को दोषी ठहराया है जो बोरुजर्ड में एक शिया मस्जिद में हमलों के लिए जिम्मेदार थे, जब एक मौलवी ने उनके धर्म को नाजायज बताया।
2008 रिपोर्ट की सतह कि 21 जनवरी, 1968 के बाद बर्फ में थ्यूले एयर बेस, ग्रीनलैंड के बाहर बी -52 स्ट्रेट या ट्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एक संयुक्त राज्य परमाणु हथियार बर्फ में कहीं खो गया था।
2008 मंगल ग्रह पर उतरने के पांच महीने बाद लैंडर से संचार बंद हो जाने पर नासा ने फीनिक्स मिशन को समाप्त कर दिया।

कनाडा में हिंदुओं पर लक्षित हमलों का जवाब आखिर देगा कौन?

कमलेश पांडे

लीजिए, कनाडा भी अब पाकिस्तान और बांग्लादेश की राह पर चल पड़ा है। वहां के हिन्दू मंदिर पर भी खालिस्तानियों ने हमला किया है। दुनिया के कई इस्लामिक और ईसाई मुल्कों में ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं। खुद भारत के भी कई राज्यों में ऐसी शर्मनाक घटनाएं पर्व-त्यौहारों पर सामने आती रहती हैं। इसलिए यक्ष प्रश्न है कि हिंदुओं पर लक्षित हमलों का जवाब आखिर कौन देगा, क्योंकि भारत सरकार, भारतीय संसद और भारतीय सुप्रीम कोर्ट धर्मनिरपेक्ष हैं!

कड़वा सच तो यह है कि इन सबकी धर्मनिरपेक्षता हिन्दू विरोधी और अल्पसंख्यक समर्थक है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, बल्कि इनके एक्शन से गाहे बगाहे साबित होता आया है। लोग इस बारे में अक्सर पूछते रहते हैं, लेकिन उच्चस्तरीय आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा से लैस ये लोग जबतक जगेंगे, तबतक बहुत देर हो चुकी होगी। वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवन्तु सुखिन: का यह मतलब कतई नहीं होता कि दुनिया भर में हिन्दू पिटते रहें और हमलोग तमाशबीन बनकर बैठे रहें।

आपको पता होना चाहिए कि हिन्दू देवी-देवता शस्त्र और शास्त्र से लैस रहते हैं, जिसका सीधा संदेश है कि जब बात तर्क और तथ्य से नहीं सुधरे तो शस्त्र उठाना ही पड़ता है। कहा भी जाता है कि जब जब धर्म की हानि होती है और असुर-अभिमानी बढ़ जाते हैं, तब तब ईश्वर अवतार लेते हैं और दुष्टों का दलन करके सज्जनों की पीड़ा हरते हैं। आज समकालीन दुनिया में जिस-तरह से सत्ता संरक्षित हिंसा-प्रतिहिंसा हो रही है, उसकी समाप्ति भी भारत वर्ष से ही शुरू होगी। लेकिन जो लोग धर्मनिरपेक्ष हैं, वो ऐसा कतई नहीं करेंगे।

कहा जाता है कि भारत के धर्मनिरपेक्ष लोग वो महात्मा गांधी हैं, जो एक गाल पर थप्पड़ पड़ते ही दूसरा भी हाजिर कर देने के आदि बन चुके हैं। इसलिए रीढ़ विहीन मुल्क भी भारत को आंख दिखाते रहते हैं। इनके अनुगामियों ने भी पाकिस्तान, बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक में हुए हिन्दू उत्पीड़न के मामले में वही किया। कहीं खामोशी की गहरी चादर, तो कहीं बयानबाजियों की खानापूर्ति। फलत: कभी अमेरिका में भारतीयों को निशाना बनाया गया, तो कभी ब्रिटेन में हमला किया गया और अब कनाडा में किसी भारतीय दूतावास पर या उसके सामने नहीं, बल्कि हिन्दू मंदिर पर एकत्रित लोगों पर हमला हुआ है।

चूंकि ईसाई भी मुसलमानों के ही वंशज हैं, इसलिए उनके मुल्क में खालिस्तानी समर्थकों की करतूतों के पीछे पाक कनेक्शन ही होगा, पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई का ही कोई नया कुचक्र होगा, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। पंजाब का खालिस्तान आंदोलन यदि कनाडा में जिंदा है तो इसके पीछे अंतर्राष्ट्रीय साजिश से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। आप मानें या न माने, लेकिन भारत के खिलाफ भी अब उसी तरह के राजनैतिक षड्यंत्र किये जाने लगे हैं, जैसा कि अबतक अमेरिका, रूस और चीन के खिलाफ किए जाते थे।

हालांकि, भारत और हिंदुओं को उनकी धर्मनिरपेक्ष सोच की मार ज्यादा पड़ रही है, जिसे हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय ने हम पर जबरिया थोप रखा है। यही वजह है कि हिंदुत्व की रक्षा और विस्तार के लिए हमारे पास वह रणनीति नहीं है, जो कि ईसाई या इस्लाम हुकूमत वाले देशों के पास उनके धर्म के विस्तार के लिए है! सभी हिंदुओं के लिए यह विचारणीय प्रश्न है।

कनाडा में जिस तरह से हिंदू विरोधी साजिश हुई, मंदिर पर हमला हुआ, स्थानीय पुलिस की चुप्पी और महज खानापूर्ति सामने आई है, उससे वहां की भारत विरोधी ट्रूडो सरकार एक बार फिर से सवालों के घेरे में आ चुकी है। जिस तरह से कनाडा के ब्रैम्पटन में खालिस्तान समर्थकों ने एक हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहाँ चल रहे भारतीय कांसुलर कैंप को बाधित करने का प्रयास किया, वह निंदनीय है।

भले ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, वह नाकाफी है। भले ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी इस घटना को अस्वीकार्य बताया हो, लेकिन उनकी मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता है। हाल के दिनों की भारतीय-कनाडाई टीका-टिप्पणी भी इसी बात की चुगली करती है। खालिस्तानी समर्थकों के हमले के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इससे भारत और कनाडा के बीच तनानती बढ़ती ही जा रही है।

पीएम मोदी ने कहा है कि- मैं कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने के कायरतापूर्ण प्रयास भी उतने ही निंदनीय हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पाएंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का राज कायम करेगी।

बता दें कि हाल के महीनों में पीएम मोदी का यह बयान दूसरा उदाहरण है, जब उन्होंने भारत के बाहर हिंदुओं पर कथित हमलों का मुद्दा उठाया है। इस साल अगस्त में, उन्होंने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के समक्ष पड़ोसी देश में सत्ता परिवर्तन के बाद हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने का मुद्दा उठाया था।

वहीं, भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर चिंता जताई है और कनाडा सरकार से सभी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि हम ओंटारियो के ब्रैम्पटन शहर में रविवार को हिंदू सभा मंदिर में कट्टरपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की घटनाओं की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा। वहीं खालिस्तानी समर्थकों के हमले के बीच एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें कथित तौर पर पुलिस को एक हिंदू युवक को पकड़कर हथकड़ी लगाते हुए दिखाया गया, जिसकी तुलना टिप्पणीकारों ने अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की घटना से की।

काबिलेगौर है कि खुद कनाडा के सांसद चंद्र आर्य ने इस घटना को खालिस्तानी कार्यकर्ताओं द्वारा एक सीमा पार करने जैसा बताया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस घटना से कनाडा के कानून प्रवर्तन में खालिस्तानियों की घुसपैठ का पता चलता है। उन्होंने हमले का विरोध कर रहे हिंदुओं के प्रति ब्रैम्पटन पुलिस के रवैये पर भी सवाल उठाए।

वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस घटना को अस्वीकार्य बताते हुए अपना अंतर्राष्ट्रीय बचाव करने की कोशिश की और कहा कि कनाडा में हर किसी को अपनी आस्था के पालन का अधिकार है। उन्होंने घटना की जाँच के आदेश दे दिए हैं। ट्रूडो ने कहा कि ब्रैम्पटन में आज हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा की घटना अस्वीकार्य है। हर कनाडाई को अपनी आस्था का पालन स्वतंत्र और सुरक्षित रूप से करने का अधिकार है। समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच के लिए तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए पील रीजनल पुलिस का धन्यवाद।

वहीं, कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग ने भी इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि हम आवेदकों, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, जिनकी मांग पर स्थानीय सह-आयोजकों के पूर्ण सहयोग से इस तरह के आयोजनों का आयोजन किया जाता है। भारत विरोधी तत्वों के इन प्रयासों के बावजूद, हमारा वाणिज्य दूतावास भारतीय और कनाडाई आवेदकों को 1,000 से अधिक जीवन प्रमाण पत्र जारी करने में सफल रहा। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब विदेश में हिंदुओं पर हमले हुए हैं। इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। भारत सरकार ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

वहीं, कनाडा में मंदिर पर हमले के बाद हिंदुओं का भी गुस्सा फूटा है। उन्होंने भी तिरंगा लहराते हुए प्रदर्शन किये। वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर ने भी कनाडा सरकार को खूब सुनाया। भारत ने कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हिंसा का कड़ा विरोध किया है, जबकि गत सोमवार को बड़ी संख्या में हिंदुओं ने मंदिर के बाहर तिरंगे लेकर प्रदर्शन किया। कनाडा के ब्रैम्पटन में मंदिर पर खालिस्तानी हमले ने एक बार पुन: हिंदुओं को एकजुट कर दिया है। 3 नवंबर को हमले के बाद, 4 नवंबर की शाम को ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर भारी भीड़ जमा हुई। प्रदर्शन रैली में शामिल लोगों के हाथों में तिरंगा था। वंदे मातरम और जय श्री राम के नारे लगाते हुए भीड़ ने मंदिर तथा हिंदुओं के साथ एकजुटता दिखाई। भारत ने खालिस्तानी झंडे लेकर आए प्रदर्शनकारियों द्वारा हिंदू मंदिर में लोगों के साथ की गई हिंसा पर सख्त रुख अपनाया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी घटना पर चिंता जताई।

वहीं, ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर जुटी भीड़ ने जस्टिन ट्रूडो सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि, हम हिंदू समुदाय के रूप में कल जो कुछ हुआ उससे बहुत दुखी हैं। हम हिंदू समुदाय के समर्थन में यहां आए हैं। हिंदू समुदाय ने कनाडा में बहुत योगदान दिया है और हम प्रगतिशील हैं, हम बहुत आर्थिक मूल्य जोड़ते हैं, हम जहां भी जाते हैं कानून और व्यवस्था का पालन करते हैं- चाहे वह कनाडा हो या कहीं और। इसलिए राजनेताओं और पुलिस की प्रतिक्रिया देखकर बहुत दुख हुआ, उन्होंने हमारे साथ कैसा व्यवहार किया... हम यहां समर्थन में आए हैं। हम बस यही मांग रहे हैं कि न्याय मिले। कानून के शासन का पालन किया जाए और अपराधियों पर कानून के शासन के तहत मुकदमा चलाया जाए।

रैली में भाग लेने वालों ने कहा कि, आज एक बात स्पष्ट है- कनाडा में हमारी जान है और हिंदुस्तान में हमारी जान बसती है। हिंदू कनाडाई कनाडा के प्रति बहुत वफादार हैं। हिंदू कनाडाई लोगों के साथ जो हो रहा है, वह सही नहीं है। अब समय आ गया है कि सभी राजनेता यह जान लें कि हिंदू कनाडाई लोगों के साथ जो हो रहा है वह गलत है... हम चाहते हैं कि कनाडा हिंदुओं के साथ अच्छा व्यवहार करे..हम चाहते हैं कि भारत और कनाडा के रिश्ते मजबूत हों, हम उन लोगों के खिलाफ हैं जो इसके खिलाफ हैं..।

गौरतलब है कि ब्रैम्पटन में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों की मंदिर यात्रा के दौरान हिंसक झड़पों के एक दिन बाद यह हमला हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसे जानबूझकर किया गया हमला और हमारे राजनयिकों को डराने का कायरतापूर्ण प्रयास करार दिया है। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का शासन बनाए रखेगी।

वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि, कनाडा में कल हिंदू मंदिर में जो कुछ हुआ, वह निश्चित रूप से बेहद चिंताजनक है। किसी भी व्यक्ति को हमारे आधिकारिक प्रवक्ता का बयान और कल हमारे प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्त की गई चिंता भी देखनी चाहिए थी। इससे सबको पता चल जाएगा कि हम इस घटना के बारे में कितनी गहरी भावना रखते हैं।

वहीं, पुलिस ने इस हमले से जुड़े तीन संदिग्धों की पहचान की है, जिनमें मिसिसॉगा के 42 वर्षीय दिलप्रीत सिंह बौंस, ब्रैम्पटन के 23 वर्षीय विकास (पूरा नाम अज्ञात) और मिसिसॉगा के 31 वर्षीय अमृतपाल सिंह शामिल हैं। एक वीडियो में देखा गया कि पील पुलिस का ऑफ ड्यूटी अधिकारी खालिस्तानी समर्थकों की रैली में भाग ले रहा था। उस अधिकारी को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है।

कनाडा के एक पूर्व मंत्री ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को सामाजिक और राजनीतिक रूप से मूर्ख व्यक्ति करार दिया और कहा कि ट्रूडो कभी समझ ही नहीं पाए कि ज्यादातर सिख धर्मनिरपेक्ष हैं और वे खालिस्तान से कोई सरोकार नहीं रखना चाहते। पूर्व प्रधानमंत्री पॉल मार्टिन की सरकार में संघीय कैबिनेट मंत्री रह चुके उज्जल दोसांझ (78) ने दावा किया कि कनाडा में कई मंदिरों पर खालिस्तान समर्थकों का नियंत्रण है। यह ट्रूडो की गलतियों का नतीजा है कि आज कनाडा के लोग खालिस्तानियों और सिख को एक मानते हैं, मानो कि अगर हम सिख हैं, तो हम सब खालिस्तानी हैं।

कनाडा की घटना से यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी उस दृष्टिकोण को बल मिलता है कि बटेंगे तो कटेंगे। इसलिए अब बंगलादेश से कनाडा तक उनका यह नारा गूंजने लगा है। कहा भी जाता है कि वृथा न जाए देव ऋषि वाणी। यानी देवताओं और साधु-संतों के मुख से निकली वाणी कभी व्यर्थ नहीं होती है। इसलिए जब उनकी बात सच निकली है तो अब इससे बचाव के लिए विश्वव्यापी रणनीति बनाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं जैसे अग्रसोची लोगों पर है। इसलिए प्रकृति के संदेश को समझिए और आगे बढ़िए। आकाशवाणी हो चुकी है।

तारीखों में बदलाव: सवाल तो चुनाव आयोग के 'होमवर्क' पर है

अजय बोकिल

एक ही साल में यह तीसरी बार है, जब भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान और मतगणना की तारीखें चुनाव कार्यक्रम घोषित हो जाने के बाद बदली हैं। एक बार मतगणना की तो दो बार मतदान की। चुनाव आयोग के मुताबिक यह राजनीतिक दलों की मांग और जन भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया फैसला है। विपक्षी दलों ने इसको लेकर भी चुनाव आयोग की मंशा पर संदेह जताई है।

वोटिंग और काउंटिंग की तारीखें बार-बार बदलने से चुनाव परिणामों पर कितना और कैसा असर होता है, यह बहस का विषय है, लेकिन एक बार चुनाव कार्यक्रम घोषित हो जाने के बाद इस तरह तारीखें बदलने से चुनाव आयोग के होम वर्क पर सवाल जरूर खड़े होते हैं। आयोग तारीखों की घोषणा के पहले इन सब बातों पर समग्रता से विचार नहीं करता या राज्यों के निर्वाचन पदाधिकारी उन्हें क्षेत्र की धार्मिक सांस्कृतिक परंपरा की सही जानकारी नहीं देते?

तारीखों में ऐसे बदलाव सबसे हैरानी भरा फैसला तो इस साल अप्रैल-मई में लोकसभा के साथ अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनाव की मतगणना की तारीख निर्धारित तिथि से पहले खिसकाने का था, क्योंकि आयोग द्वारा घोषित काउंटिंग की तारीख से पहले ही दोनों राज्यों के विधानसभाओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा था। इन विधानसभाओं के चुनाव भी पांच साल पहले चुनाव आयोग ने ही कराए थे।

चुनाव तारीखें बदलने की श्रृंखला में ताजा कड़ी इस माह होने वाले 14 विधानसभाओं के उपचुनावों की तारीखें बदलने की है। पहले चुनाव आयोग ने इन उपचुनावों के लिए मतदान की तारीख 13 नवंबर तय की थी। उस हिसाब से चुनाव प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी, लेकिन अब इसे बदलकर 20 नवंबर कर दिया गया है।

इस बारे में चुनाव आयोग का कहना है कि 13 नवंबर, 2024 को उपचुनाव वाले कुछ विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की तारीख में बदलाव के लिए विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों (भाजपा, कांग्रेस, बसपा, रालोद सहित) और कुछ सामाजिक संगठनों से उसे ज्ञापन मिले हैं। मतदान के दिन बड़े पैमाने पर होने वाले

सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के कारण बड़ी संख्या में लोगों को असुविधा हो सकती है। ऐसे में मतदान में मतदाताओं की भागीदारी कम हो सकती है।

ये भी संयोग ही है कि आयोग की इस घोषणा से पहले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक दिन पहले पीएम मोदी से मुलाकात की थी। अगले ही मतदान की तारीखें बदलने की खबर आई।

गौरतलब कि देश में दो राज्यों महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के साथ देश में 14 राज्यों की 47 विधानसभा क्षेत्रों और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी हो रहे हैं। लेकिन चुनाव तारीखों में बदलाव सिर्फ यूपी, पंजाब और केरल की विधानसभा सीटों के उपचुनाव के लिए किया गया है। अब यूपी, पंजाब और केरल में उपचुनाव का मतदान 20 नवंबर को होगा।

उपचुनाव मतदान की तारीखें बढ़ाने के पीछे वजह उत्तर प्रदेश में 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का त्योहार, पंजाब में इसी दिन गुरू नानक देवजी का प्रकाश पर्व और 13 नवंबर से अखंड पाठ शुरू होना तथा केरल में 13 से 15 नवंबर तक कलपथि रास्तोसेल्वम पर्व मनाया जाना है। कार्तिक पूर्णिमा पर नदियों में पवित्र स्नान तो लगभग सभी राज्यों में होता है, लेकिन चुनाव आयोग ने केवल यूपी पर ध्यान दिया, यह भी अहम बात है।

जहां तक इन त्योहारों की बात है तो इनमें से कोई भी ऐसा पर्व नहीं है, जिसकी तिथि पहले से तय नहीं हो। तो क्या चुनाव आयोग सभी धर्मो के धार्मिक सांस्कृतिक कैलेंडर नहीं देखता या फिर पर्वों की महत्ता का आकलन अपने हिसाब से करता है? आयोग चुनाव कार्यक्रम घोषित करने से पहले सभी राजनीतिक दलों से चर्चा करता है। उसमें यह मुद्दा क्या नहीं उठाया जाता? सियासी पार्टियों की नींद भी देर से क्यों खुलती है? इसके पीछे वोटरों के कम मतदान का भय छिपा होता है या अपनी सुविधा के अनुसार चुनाव की तारीखें तय करने की चाल होती है?

यह भी विडंबना है कि जहां मतदान को मतदाता का प्राथमिक कर्तव्य बताया जाता है, वहीं दूसरी तरफ समूची व्यवस्था को इस बात से डर भी लगता है कि ऐन वक्त पर वोटर कहीं अपनी धार्मिक निष्ठा को वोटिंग से ज्यादा तवज्जो न दे दे, हालांकि यह तर्क बहुत वजनदार नहीं है कि केवल किसी धार्मिक पर्व के होने से मतदाता वोट देने नहीं जाते अथवा कम जाते हैं। जब कोई धार्मिक पर्व नहीं होता तब भी कई बार वोटिंग प्रतिशत बहुत कम रहता है, मतदाता उदासीन रहता है। इसके पीछे क्या तर्क देंगे?

सवाल जटिल है, लेकिन हमें इसके उत्तर के पीछे के दलीलों को भी समझना होगा। धार्मिक सामाजिक पर्वों की वजह से चुनाव तारीखें बदलने के पीछे के कारण को मान भी लें तो भी किस विधानसभा का कार्यकाल कब खत्म हो रहा है और किस तिथि तक उस विस चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जानी चाहिए, यह काम तो चुनाव आयोग और उसकी मशीनरी का ही है। चुनाव इस देश में 70 सालों से हो रहे हैं, लेकिन ऐसा अपवादस्वरूप ही हुआ होगा कि एक बार आयोग मतगणना की तिथि घोषित कर दे तथा उसे बाद में ख्याल आए कि काउंटिंग विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के पहले ही पूरी हो जानी चाहिए थी।

विस का कार्यकाल पूरा होने के पहले चुनाव प्रक्रिया पूरा कराना चुनाव आयोग की संवैधानिक बाध्यता है। लेकिन पांच माह पहले हुए अरूणाचल और सिक्किम के विधानसभा चुनाव के दौरान आयोग को यह देर से ध्यान में आया कि मतगणना की जो तारीख उसने तय की है, उसके पहले ही विस कार्यकाल खत्म हो रहा है। यह विस चुनाव भी आयोग ने ही कराए थे, तो क्या पुराना रिकॉर्ड भी नहीं देखा जाता?

इसके पहले हरियाणा विस चुनाव में भी आयोग ने मतदान की तारीख बदली थी। इस पर विपक्ष ने आरोप लगाया था कि वहां सत्तारूढ़ भाजपा हार रही है, इसलिए तारीख बदलवाई गई। हालांकि नतीजा उलटा ही आया। हरियाणा में विस चुनाव के लिए मतदान एक अक्टूबर को होना थे, बाद में इसे बदलकर 4 अक्टूबर किया गया। कारण यह बताया गया कि 1 अक्टूबर को विश्नोई समाज का वार्षिक मेला लगता है। इसी के चलते विश्नोई महासभा ने भी तारीख बदलने की मांग की थी।

सवाल यह है कि चुनाव आयोग मतदान की तारीखें बदलने के मापदंड अलग-अलग क्यों हैं? इस तरह तारीखें बदलना चुनाव आयोग की संवेदनशीलता है या फिर अधूरी तैयारी? गौर करें कि 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान रमज़ान महीना भी पड़ रहा था तब कई राजनीतिक दलों और मुस्लिम संगठनों ने आयोग के सामने चुनाव तारीखें बदलने का आग्रह किया था। उस समय आयोग ने कहा था कि रमजान के लिए चुनाव प्रक्रिया नहीं रोक सकते।

हालांकि इसमें एक पेंच यह भी है कि रमजान पूरे एक माह चलता है। दो तीन दिन के लिए तारीखें बदली जा सकती हैं। लेकिन एक महीना चुनाव कार्यक्रम खिसकाना आसान और व्यावहारिक भी नहीं है। इसी प्रकाण कार्तिक पूर्णिमा पर राजस्थान में 12 नवंबर से 15 नवंबर तक पुष्कर में लोग पवित्र स्नान करते हैं। मेला भी लगता है। लेकिन राजस्थान की 7 विस सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को ही हो रहे हैं।

मतदाता की अपनी सोच, समझ और प्राथमिकता होती है। इसमें धार्मिक पर्व और राजनीतिक गुणा भाग कितना आड़े आते हैं, यह शोध का विषय है। लेकिन जो फर्क है, वो यह है कि चुनाव आयोग सात दशकों से चुनाव कराता रहा है, लेकिन इस तरह तारीखों में हेरफेर अपवाद स्वरूप ही होता था। अब यह परंपरा-सी बनती जा रही है, अगर ऐसा ही होना है तो चुनाव की महीनों पहले से शुरू होने वाली तैयारियों और होमवर्क का क्या मतलब है? या तो वो अधूरी होती हैं या फिर समग्रता के साथ नहीं होतीं।

पीएम मोदी के दोस्त ट्रंप राष्ट्रपति, चीन होगा टाइट

अभिनय आकाश

कोई भी हारने वाले को पसंद नहीं करता। कोई भी धमकाया जाना पसंद नहीं करता। फिर भी हम खड़े हैं, हम धरती पर सबसे बड़ी महाशक्ति हैं और हर कोई हमारे हिस्से का खा रहा है। यह ठीक नहीं है। अगर मैं अपना धंधा ऐसे चलाता तो खुद को बाहर कर देता। अमेरिका को फिर से जीतना शुरु करना होगा। आओ हम सब मिलकर अमेरिका को मजबूत बनाएं और उसे फिर से महान बनाएं।

इन शब्दों के साथ अकड़ते और हवा में मुट्ठियां लहराते हुए डोनाल्ड जॉन ट्रंप ने जून 2015 में दुनिया की सबसे ताकतवर कुर्सी को हासिल करने के लिए अपने शुरु किए चुनाव प्रचार को जीत के साथ समाप्त किया। उस समय वे सिर्फ ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष थे, एक प्रॉपर्टी कुबेर, जिसने मध्यवर्गीय मकान, बड़े बड़े रिसॉर्ट और गोल्फ कोर्स बनाए थे, और उन्होंने जो कुछ बनवाया, उस पर अपना उपनाम बड़े और सुनहरे अक्षरों में अंकित करवा दिया। लेकिन साल 2024 में जब दूसरी बार राष्ट्रपति पद की रेस में ट्रंप की दावेदारी रिपबल्किन की तरफ से सुनिश्चित की जाती है तो उनके भाषणों में वही आत्मविश्वास नजर आया। आज अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत हो गई है। जीत के बाद अपने पहले भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब ये एक नए महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंचने जा रहा है। हम अपने देश को ठीक करने में मदद करने जा रहे हैं। हमारे पास एक ऐसा देश है जिसे मदद की ज़रूरत है और उसे मदद की सख्त ज़रूरत है। हम अपनी सीमाएं फिक्स करने जा रहे हैं। हम सब कुछ फिक्स करने जा रहे हैं। हमने इतिहास बनाया है। ट्रंप ने कहा कि हमने उन बाधाओं को पार कर लिया जिनके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था और अब यह स्पष्ट है कि हमने सबसे अविश्वसनीय राजनीतिक उपलब्धि हासिल की है और देखिए क्या हुआ।

भारत की ताकत को दुनिया जानती है और वर्तमान दौर में उसे अमेरिका नजरअंदाज करने की गलती तो बिल्कुल नहीं कर सकता है। अमेरिका को हर जगह पर भारत की जरूरत है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को लेकर तो मामला थोड़ा अलग ही है। डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बनने वाले हैं। उनका झुकाव भारत के प्रति, नरेंद्र मोदी के प्रति और हिंदुओं की तरफ व कट्टरपंथियों को लेकर विचार बिल्कुल क्लीयर है। डोनाल्ड ट्रंप ही वो नेता हैं जो नरेंद्र मोदी की दोस्ती को उस लेवल तक लेकर गए थे जब उन्होंने नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए अमेरिका में बड़ा कार्यक्रम तक करवाया था। खुद डोनाल्ड ट्रंप इस इवेंट में आए थे। इसके बाद जब डोनाल्ड ट्रंप भारत आए तो इसी तरह के एक बड़े कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भारत और अमेरिका के रिश्ते बहुत मजबूत हुए थे। बाइडेन-कमला हैरिस के कार्यकाल में दोस्ती को बनी रही। लेकिन टकराव भी हुआ। जैसे इस वक्त कनाडा से भारत के टकराव और आतंकी पन्नू को लेकर भारत और अमेरिका के रिश्ते में टकराव दिख रहा है। जबकि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भारत और अमेरिका की दोस्ती ज्यादा मजबूत नजर आई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नीतियां अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी से काफी मेल खाती हैं, ऐसे में उम्मीद करना चाहिए कि ट्रंप के आने से भारत को कनाडा पर दबाव बनाने में मदद मिलेगी। डोनाल्ड ट्रंप खुलकर पीएम मोदी से अपने अच्छे रिश्ते और दोस्ती की बात करते हैं। पीएम मोदी भी डोनाल्ड ट्रंप को अपना अच्छा दोस्त बता चुके हैं। ट्रंप की जीत के बाद पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए अपने दोस्त ट्रंप को बधाई भी दी है और भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी जताई है।

दोनों नेताओं की विचारधारा भी एक जैसी है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका फर्स्ट की बात करते हैं और पीएम मोदी भी नेशन फर्स्ट की बात करते हैं। पीएम मोदी भारत के हितों को सबसे

ऊपर रखते हैं। दोनों नेताओं की राष्ट्रवादी सोच भी एक दूसरे को कनेक्ट करती है। डोनल्ड ट्रंप भी कोई भी बात खुलकर बिना हिचक के कहते हैं। पीएम मोदी भी बिना लाग लपेट के सीधे बात करते हैं। इसलिए ट्रंप और मोदी की जोड़ी कनेक्टेड मानी जाती है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए भारत में माहौल इसलिए भी बना क्योंकि वो एकलौते ऐसे नेता हैं जिन्होंने चुनाव के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। डोनाल्ड ट्रंप ने दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि वहां पूरी तरह अराजकता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मेरे निगरानी में ऐसा कभी नहीं होता। कमला हैरिस और जो बाइडन ने दुनिया भर में तथा अमेरिका में हिंदुओं की अनदेखी की है। वे इजराइल से लेकर यूक्रेन और हमारी अपनी दक्षिणी सीमा तक तबाही मचा चुके हैं, लेकिन हम अमेरिका को फिर से मजबूत बनाएंगे और पूरी ताकत से शांति को वापस लाएंगे। आपको याद होगा कि जो बाइडेन की सरकार पर ये आरोप लगता रहा कि उसने ही बांग्लादेश में खेल कराया। हैरिस खुद को भारत के ज्यादा करीबी होने का दावा करती हैं क्योंकि उनकी मां भारतीय हैं। हैरिस इस मामले में बेहतर रही थी। लेकिन व्यापार में अमेरिकी हितों को सबसे ऊपर रखने से उन्हें भी गुरेज नहीं रहा। वो अमेरिकी कंपनियों को सब्सिडी देने की हिमायती रही ताकि देश में मैन्युफैक्चरिंग बेस बढ़े। उन्हें इसकी परवाह नहीं है कि इससे मुक्त व्यापार व्यवस्था को चोट पहुंचेगी। वैश्विक व्यापार के लिए डब्ल्यूटीओ के बनाए नियमों का पक्षधर रहा है।

चीन के खिलाफ कठोर स्टैंड रखने वाले ट्रंप, अब मेक्सिको के जरिए अमेरिका में अवैध एंट्री करने वालों पर शिकंजा कसेंगे। व्यापार की बात करें तो ट्रंप कह चुके हैं कि राष्ट्रपति बनने पर वह अमेरिका में आने वाली सभी चीजों पर 10% का आयात शुल्क लगाएंगे। चीनी सामानों पर उन्होंने 60% टैरिफ लगाने नए की बात कही है। वह चीन से मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा भी छीन लेगे। वैसे तो इस दर्जे के छीने जाने से बहुत फर्क नहीं पड़ता, लेकिन इसका संकेत यह हो सकता है कि विदेश व्यापार को लेकर इतने वर्षों में जो नीतियां बनी हैं, कहीं उनका दौर खत्म होने को तो नहीं है। वहीं भारत के लिहाज से देखें तो पिछले दिनों एलएसी पर दोनों देशों ने अपने सैनिकों को पीछे हटाया है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि ट्रंप के आने के बाद सीमा सहित कई मसलों पर चीन अपनी ज्यादा दादागिरी नहीं दिखा सकेगा। इसका फायदा भारत को मिल सकता है। ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री ने हमेशा एक दूसरे के प्रति रिश्ते गर्मजोशी से भरे नजर आए। उन दोनों के बीच इस खुशमिजाजी का नतीजा ये निकला कि पहली बार उनके कार्यकाल में ही भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा और विदेश मंत्रालय के स्तर पर 2+2 डॉयलॉग हुआ है। कई मौकों पर मोदी की तारीफें करने के बावजूद ट्रम्प ने भारत की प्राथमिकताओं के विरुद्ध भी काम किए हैं, जिनमें शामिल हैं एच-1बी वीजा, जीएसपी और कश्मीर विवाद में मध्यस्थता के प्रस्ताव।

दीपिका ने वीडियो शेयर कर बताया वर्कआउट का महत्व

छोटे परदे की अभिनेत्री दीपिका सिंह ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक मंडे मोटिवेशन वीडियो शेयर किया। अभिनेत्री इस वीडियो में वह सुपरसेट्स करते हुए पैरों और हाथों का वर्कआउट कर रही हैं। इस वर्कआउट के महत्व पर जोर देते हुए दीपिका ने बताया कि सुपरसेट्स का अभ्यास मांसपेशियों की सक्रियता को बढ़ाता है, जिससे मांसपेशियों की वृद्धि और ताकत में सुधार होता है। सुपरसेट्स के फायदे बताते हुए दीपिका ने कहा कि यह सेट्स के बीच आराम की अवधि को घटाकर कम समय में अधिक व्यायाम करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, यह हार्ट रेट को बढ़ाकर कैलोरी बर्न और कार्डियोवस्कुलर फिटनेस में सुधार करता है। दीपिका ने वीडियो में एथलेजर पहन रखा था और हल्के वजन के साथ एक्सरसाइज कर रही थीं। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा कि सुपरसेट्स न केवल कसरत के समय को कम करते हैं, बल्कि हृदय की स्थिति को भी बेहतर बनाते हैं। अभिनेत्री का यह वीडियो उनके प्रशंसकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। पिछले महीने, दीपिका सिंह ने एक और वीडियो शेयर किया था जिसमें वह फाल्गुनी पाठक के गाने अइयो रामा पर डांस करती नजर आईं। हालांकि, यह वीडियो अनपॉलिश और बिना अभ्यास का था, जिसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। ट्रोलिंग का सामना करते हुए दीपिका ने ट्रोलर्स पर निशाना साधते हुए लिखा कि नफरत करने वाले नफरत करेंगे, लेकिन वह इसे शालीनता से स्वीकार करती हैं। उन्होंने आगे लिखा कि वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना चाहती हैं, भले ही उन्हें इसके लिए ट्रोलिंग का सामना करना पड़े। दीपिका ने कहा, हां, मैं बेहतर कर सकती हूं, लेकिन इसके लिए समय और अभ्यास की जरूरत होती है। अभिनेत्री ने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनके पास माता-पिता, पति और उनके ओडिसी डांस टीचर जैसे समर्थक हैं, जिन्होंने उन्हें शालीनता और धैर्य के साथ जीवन की परिस्थितियों को स्वीकारना सिखाया है। दीपिका ने कहा कि जब उन्हें बिना कारण ट्रोल किया जाता है, तो यह दर्शाता है कि वह अपने काम में अच्छा कर रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका सिंह फिलहाल कलर्स चैनल पर प्रसारित शो मंगल लक्ष्मी में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। बता दें कि दीपिका को शो दीया और बाती हम में संध्या राठी की भूमिका के लिए जाना जाता है।

सामंथा ने किया वीडियो शेयर, हैवी वर्कआउट करते आ रही नजर

हाल ही में अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में वह जिम में हैवी वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने डिस्ट्रेसिंग लिखा और सिटाडेल हनी बन्नी प्रीमियर का हैशटैग भी जोड़ा, जो उनके वर्कआउट के साथ-साथ उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को भी प्रमोट करता है। सामंथा ने काले रंग की ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, शॉर्ट्स और नी कैप पहनी हुई है। इस क्लिप में वह लगभग 40 किलो वजन उठाते हुए स्क्वैट्स कर रही हैं, जो उनकी फिटनेस के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। मालूम हो कि सामंथा रुथ प्रभु और वरुण धवन की जोड़ी सिटाडेल-हनी बन्नी में दिखाई देगी, जो राज और डीके द्वारा निर्देशित है। इस शो में वरुण धवन एक कुशल स्टंटमैन बन्नी का किरदार निभा रहे हैं, जबकि सामंथा एक जासूस की भूमिका में नजर आएंगी। कहानी वरुण और सामंथा के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां वे अपनी पहचान बदलते हैं और एक रोमांचक मिशन पर निकलते हैं। इस शो में के के मेनन, साकिब सलीम और सिकंदर खेर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं, जो इस प्रोजेक्ट को और भी दिलचस्प बनाते हैं। हाल ही में सामंथा ने राजस्थान में एक छोटी सी छुट्टी का आनंद लिया, जहां उन्होंने अपनी यात्रा की कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में उन्हें मिट्टी के बर्तन बनाने के सत्र में भाग लेते और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते हुए देखा गया। सामंथा ने पहले भी जंगली जानवरों के साथ प्रकृति की खूबसूरती को समर्पित शानदार तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'बाघ के साथ प्रकृति की भव्यता देखी।' इस सप्ताह की शुरुआत में, सामंथा को जयपुर के हवाई अड्डे पर देखा गया, जहां पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद किया। सामंथा की फिटनेस और उनके प्रोजेक्ट्स के प्रति उनकी लगन उनकी लोकप्रियता में चार चांद लगाते हैं।

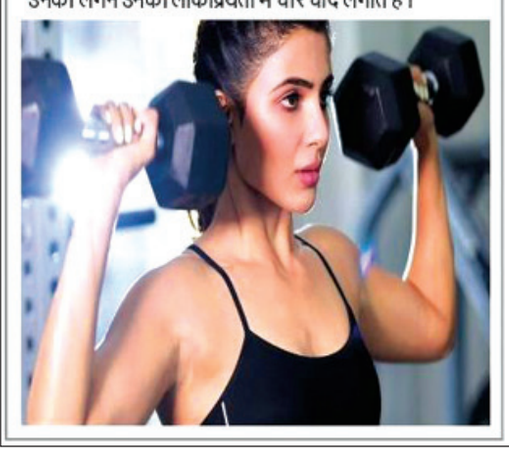

फेंच में बात करती नजर आ रही हैं उर्वशी रौतेला

हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक वीडियो फेंच में बात करती नजर आ रही हैं। वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उर्वशी ने लिखा, जब आपको फ्रांस से इतना प्यार मिलता है, तो उनकी भाषा को अपनाना ही सही लगता है। फ्रेंच में एक नए सफर की प्रेरणा के लिए धन्यवाद। इस वीडियो में उर्वशी शॉर्ट कस्टम-मेड चमकीला आउटफिट पहने हुए नजर आ रही हैं, जिसमें उनका लुक बेहद आकर्षक लग रहा है। उनका मेकअप और हेयरस्टाइल भी शानदार है, जो उनके ग्लैमरस अंदाज को और भी निखारता है। इस वीडियो में वह न केवल अपनी भाषा कौशल का प्रदर्शन करती हैं, बल्कि अपने फैन्स को एक नया आयाम भी दिखाती हैं। उनके फेंच बोलने का तरीका उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है और इसने उनके फैंस को प्रभावित किया है। उर्वशी रौतेला, जो मिस दिवा - मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 का खिताब जीतने के बाद प्रसिद्धि की ओर बढ़ी, के पास इस समय कई रोमांचक फिल्म प्रोजेक्ट्स हैं। अभिनेत्री जल्द ही नंदमुरी बालकृष्ण और बॉबी देओल के साथ फिल्म एनबीके 109 में नजर आएंगी। इसके अलावा, वह कमल हासन और शंकर के साथ इंडियन 2 और आफताब शिवदासानी और जस्सी गिल के साथ फिल्म कसूर में भी काम कर रही हैं। उर्वशी रौतेला की आगामी फिल्में अक्षय कुमार के साथ वेलकम 3 और रणदीप हुड्डा के साथ इंस्पेक्टर अविनाश 2 में भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगी। वह सनी देओल और संजय दत्त के साथ हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर द एक्सपेंडेबल्स के रीमेक बाप में भी अभिनय कर रही हैं। इसके अलावा, वह एक आगामी बायोपिक में परवीन बॉबी का किरदार भी निभाने वाली हैं। उर्वशी ने 2013 में फिल्म सिंह साहब द ग्रेट से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, और इसके बाद वह सनम रे, ग्रेट ग्रैंड मस्ती, हेट स्टोरी 4 और पागलपंती जैसी कई सफल फिल्मों में दिखाई दीं। इसके अलावा, उन्होंने म्यूजिक वीडियो जैसे लव डोज और गल बन गई में भी अपनी विशेष पहचान बनाई है।

केदारनाथ के पहाड़ पर ट्रैकिंग की सारा अली खान ने

बीते दिनों बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने केदारनाथ के पहाड़ पर ट्रैकिंग की और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने केदारनाथ के ऊपर बादलों के बगीचे की एक झलक दिखाई है। सारा ने इंस्टाग्राम पर एक रील वीडियो शेयर किया, जिसमें वह पहाड़ पर ट्रैकिंग कर रही हैं। पिंक फुल स्लीव टॉप, स्वेटपैंट और बेसबॉल कैप पहने अभिनेत्री ने केदारनाथ की ओर इशारा करते हुए कहा : ये देखो वहां पे है केदारनाथ। इसके बाद वह पहाड़ पर चढ़ती हैं और उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है- पहाड़ तो खत्म हो गया। इसके बाद वह एक खूबसूरत जगह दिखाती हैं, जहां वह लंबी ट्रैकिंग के बाद पहुंची हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा- आज मैं ऊपर... आसमान नीचे... कभी नहीं देखे ऐसे बादलों के बगीचे। बैकग्राउंड स्कोर के लिए, सारा ने संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित 1996 की फिल्म 'खामोशी : द म्यूजिकल' से कविता कृष्णमूर्ति और कुमार सानू द्वारा गाया गया ट्रैक 'आज मैं ऊपर' का इस्तेमाल किया। 4 नवंबर को, सारा ने अज्ञात स्थल से कुछ खूबसूरत क्लिक्स साझा की थी। इसमें सूरज की भी एक झलक थी। कैप्शन में उन्होंने लिखा था : दिवाली के बाद का शूट डे। वास्तविकता में वापस, अभी भी सूरज का पीछा करते हुए।' हालांकि, अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी अभिनेत्री ने यह नहीं बताया कि वह किस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। 25 अक्टूबर को, सारा ने खुलासा किया कि वह फिल्म निर्माता अमर कौशिक और अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ हिमाचल प्रदेश के मनाली में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। जिसके बाद, वो 24 मीटर ऊंचे हिडिम्बा देवी मंदिर दर्शन करने पहुंची थीं। सारा ने निर्देशक और अभिनेता के साथ अलाव के पास बैठे हुए कई तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में, अभिनेत्री को काले और सफेद रंग की ग्रैफिटी हुडी के साथ गहरे रंग की जींस और इयरमफ्स पहने देखा गया। रंग कोड को ध्यान में रखते हुए, कौशिक और आयुष्मान ने भी काले रंग के कपड़े पहने थे।

नताशा की जिंदगी में आया कोई नया इंसान?

क्रिकेटर हार्दिक पंड्या की पूर्व पत्नी एवं बॉलीवुड एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक सोशल मीडिया पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई हिंट दे रही हैं। नताशा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट डाला है, जिससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद उन्होंने अपनी लव लाइफ में आगे बढ़ने का फैसला किया है। हाल ही में नताशा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा, अगर मैं गाड़ी चलाते हुए आपसे बात करूं, तो मैं वाकई आपको पसंद करती हूं। क्योंकि वो मेरा म्यूजिक सुनने का समय है। इस पोस्ट से यह इशारा किया गया कि शायद उनकी जिंदगी में कोई खास इंसान आ गया है। अब सवाल यह उठ रहा है कि नताशा किसे पसंद करती हैं? वह किसके साथ गाड़ी चला रही हैं और किसके साथ बातचीत कर रही हैं? हालांकि नताशा ने इस बारे में सीधे कुछ नहीं कहा है, लेकिन उनके पोस्ट ने उनके फैंस को कन्फ्यूज कर दिया है। फैंस अब यह जानना चाहते हैं कि नताशा की जिंदगी में नया कौन है। नताशा का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और अब इसे उनकी लव लाइफ से जोड़कर देखा जा रहा है। लोग यह अनुमान लगा रहे हैं कि नताशा शायद किसी को लेकर दिलचस्पी रख रही हैं, लेकिन इस बारे में अब तक नताशा ने कोई साफ-साफ बयान नहीं दिया है। अब यह तो वक्त ही बताएगा कि नताशा ने वाकई अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने का फैसला किया है या फिर यह सब सिर्फ अफवाहें हैं। लेकिन एक बात तो साफ है कि नताशा की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और उनके फैंस इस रहस्य के बारे में और जानने के लिए उत्सुक हैं। बता दें कि जब नताशा और हार्दिक का रिश्ता टूटने की खबरें आईं, तो दोनों के फैंस को हैरानी हुई थी। इसके बाद हार्दिक का नाम ब्रिटिश सिंगर जैस्मिन वालिया के साथ जुड़ा था, जिससे यह अफवाहें उड़ी थीं कि हार्दिक अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं।

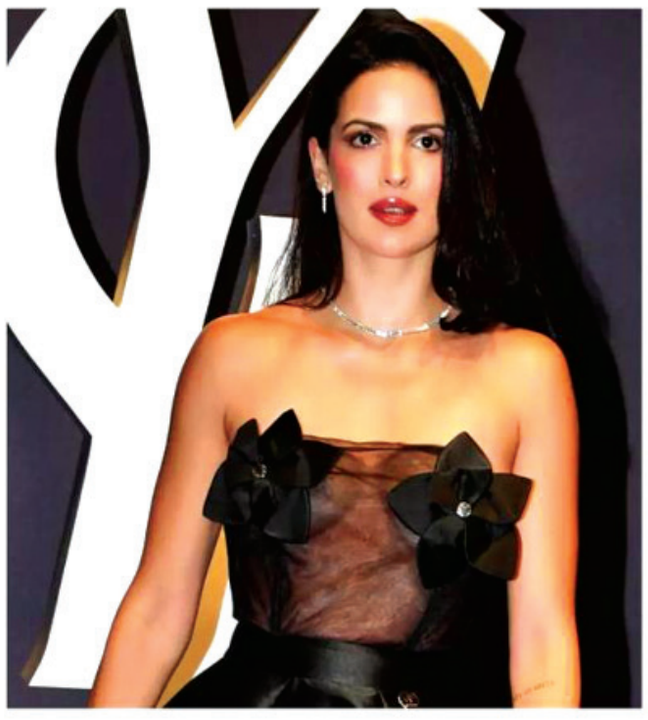

माधवन 'अधीरष्टसाली' से फिर दिल जीतने को तैयार

बालीवुड अभिनेता आर. माधवन अपनी आगामी फिल्म 'अधीरष्टसाली' के साथ एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर माधवन ने अपने फर्स्ट लुक का पोस्टर साझा किया, जिससे फिल्म के प्रति उत्सुकता और बढ़ गई है। अभिनेता ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, गर्व से अपनी फिल्म 'अधीरष्टसाली' का पहला लुक जारी कर रहा हूं। यह मिथ्रान आर जवाहर द्वारा निर्देशित एक शानदार और कभी न भूल पाने वाली यात्रा रही है।पोस्टर में आर. माधवन दोहरी भूमिका में नजर आ रहे हैं। एक तरफ, वह एक बड़े व्यवसायी के रूप में दिखते हैं, जबकि दूसरी तरफ, वह ग्रामीण पृष्ठभूमि में एक आम और परेशान आदमी के रूप में दिखाई देते हैं। इस विविधता ने दर्शकों में फिल्म के प्रति और भी जिज्ञासा पैदा कर दी है। 'अधीरष्टसाली' का निर्देशन मिथ्रान आर जवाहर ने किया है, जिन्होंने 'यारदी नी मोहिनी' और 'थिरुचित्रम्बलम' जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन किया है। यह फिल्म माधवन और मिथ्रान की पहली संयुक्त परियोजना है, जो दर्शकों को एक नई कहानी और अनुभव देने का वादा करती है। फिल्म की पटकथा लेखक जयमोहन ने लिखी है, जो अपने बेहतरीन लेखन के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में आर. माधवन के साथ कई प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल हैं, जैसे शर्मिला मांड्रे, राधिका सरथकुमार, मैडोना सेबेस्टियन, साईं धनशिका, जगन, निरूप एनके, उपासना आरसी, मैथ्यू वर्गीस, उदय महेश, केएसजी वेंकटेश और रवि प्रकाश। इसमें शर्मिला मांड्रे मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राधिका सरथकुमार माधवन की मां की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है और इसमें 'हैरी पॉटर' फिल्म के विक्टोरिया स्ट्रीट पर भी कुछ दृश्य फिल्माए गए हैं। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। आर. माधवन के वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्होंने इस साल रिलीज हुई हॉरर फिल्म 'शैतान' में भी अहम भूमिका निभाई थी। 'अधीरष्टसाली' के अलावा, वह शशिकांत द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म टेस्ट में भी नजर आएंगे।

बहुप्रतीक्षित फिल्म आज़ाद का टीज़र जारी

दिग्गज कलाकार अजय देवगन और डायना पेंटी की बहुप्रतीक्षित फिल्म आज़ाद का टीज़र जारी हो चुका है। टीज़र की शुरुआत से ही यह स्पष्ट हो जाता है कि फिल्म एक महाकाव्य एक्शन-एडवेंचर होने का वादा करती है, जो अपनी अनोखी कहानी और भव्य दृश्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। फिल्म का टीज़र शेयर करते हुए प्रसिद्ध निर्देशक अभिषेक कपूर की अभिषेक कपूर ने सोशल मीडिया पर लिखा, हर जंग में, हर बहादुर योद्धा के साथ, एक वफ़ादार घोड़ा ज़रूर रहा है। आज़ाद टीजर आउट नाउ। विटनेस द एडवेंचर ऑन बिग स्क्रीन्स दिस जनवरी 2025। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म के रिलीज़ होने की तारीख और सिनेमाघरों में एक्सक्लूसिव टीज़र प्रीमियर की भी जानकारी दी। आज़ाद में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अजय देवगन और डायना पेंटी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ ही, फिल्म में अमन देवगन और राशा थडानी के रूप में नए चेहरे भी देखने को मिलेंगे, जो अपने डेब्यू से फिल्म को और रोमांचक बनाने का वादा करते हैं। फिल्म का निर्माण रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर द्वारा किया गया है, जो अभिषेक कपूर की सिनेमाई प्रतिभा को बड़े पर्दे पर फिर से पेश करने का काम कर रहे हैं। टीज़र से दर्शकों को फिल्म की भव्यता और नाटकीय तत्वों की एक झलक मिलती है। शानदार सिनेमैटोग्राफी और कहानी में छिपे इमोशन्स से भरी आज़ाद यकीनन दर्शकों के लिए एक विशेष अनुभव होगा। फिल्म की कहानी और इसके अद्वितीय कैरेक्टर्स को लेकर फैंस की जिज्ञासा अब और बढ़ गई है। दिवाली पर फिल्म के टाइटल का खुलासा करने के बाद, निर्माताओं ने इस टीज़र को जारी कर एक बार फिर दर्शकों की उम्मीदों को ऊंचा कर दिया है।

खूबसूरत आउटफिट में नई तस्वीरें साझा की माधुरी ने

हाल ही में, मशहूर एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लाल रंग की खूबसूरत आउटफिट में अपनी नई तस्वीरें साझा की हैं। एक्ट्रेस ने तस्वीरों के साथ एक शानदार कैप्शन भी दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा, लाल मेरे दिल का हाल और साथ ही हैशटैग के साथ शनिवार, फोटो ऑफ दी डे, और प्रमोशंस भी जोड़े हैं।
शेयर की गई तस्वीरों में माधुरी खिलखिलाते हुए हंसती नजर आ रही हैं, जो उनकी अद्वितीय खूबसूरती को और भी निखारती हैं। उनके फैंस ने इन तस्वीरों पर काफी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, ओएमजी, वहीं दूसरे ने कहा, क्या बात है और एक अन्य ने उनकी खूबसूरती की तारीफ करते हुए लिखा, आप इतनी खूबसूरत क्यों हैं? माधुरी दीक्षित की बहुप्रतीक्षित फिल्म भूल भुलैया 3 हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसमें उन्होंने मंजुलिका के किरदार में दर्शकों का दिल जीता है। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए, माधुरी ने कहा, मैं डरावनी भूमिका में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हूं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें हॉरर फिल्में ज्यादा पसंद नहीं हैं क्योंकि वह खुद डर जाती हैं, लेकिन इस प्रकार की फिल्में उनके लिए एक नई शुरुआत का संकेत देती हैं।
फिल्म 'भूल भुलैया 3' में माधुरी दीक्षित के साथ कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका में हैं। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। माधुरी दीक्षित का यह नया अवतार और उनकी अदाकारी ने न केवल दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी पाई है, बल्कि फिल्म की सफलता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी ये नई तस्वीरें और फिल्म की चर्चा उनके फैंस के बीच एक बार फिर से हलचल मचा रही हैं। बॉलीवुड की 'धक धक गर्ल' माधुरी दीक्षित एक बार फिर से सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं।

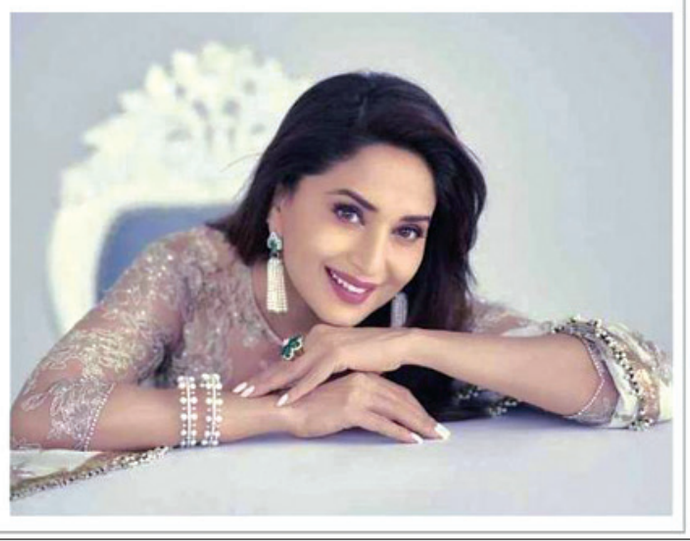

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

महाराष्ट्र में कांग्रेसशासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की हुंकार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मात्र 10 दिन बचे हैं, मतदाताओं को रिझाने के लिए राजनीतिक दलों की तरफ से तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में शनिवार को कांग्रेसशासित राज्यों के दो मुख्यमंत्री और एक उपमुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महायुति के आरोपों पर पलटवार किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने महायुति के घटक दलों के साथ-साथ पीएम मोदी पर भी निशाना साधा है। इस दौरान डीके शिवकुमार ने महायुति नेताओं को न्योता दिया और राज्य में कांग्रेस सरकार की तरफ से चलाई जा रही तमाम विकास योजनाओं से अवगत होने की बात कही है। उन्होंने कहा, हम तीनों यहां यह बताने और दिखाने के लिए आए हैं कि हमने क्या वादा किया था, हमने क्या पूरा किया है। मुझे यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि भाजपा के सहयोगियों ने शुक्रवार को एक बड़ा झूठा विज्ञापन चलाया था।

एनकाउंटर वाली सरकार का काउंटडाउन शुरू : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। सपा नेता ने कहा कि संत समाज के बीच झगड़े करवाए जा रहे हैं। जो खुद से बड़ा किसी और को नहीं मानते, वो कैसे योगी हैं? मुख्यमंत्री का बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि जो जितना बड़ा संत होता है वो उतना ही कम बोलता है और बोलता भी है तो जनकल्याण के लिए इसलिए उसके वचन प्रवचन कहलाते हैं। सपा प्रमुख ने आगे कहा कि कोई व्यक्ति वस्त्र से नहीं वचन से योगी होता है। जिनका काम सरकार चलाना है वो बुलडोजर चला रहे हैं और विकास का प्रतीक विनाश का प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार पर 25 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी भाजपा का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने दावा किया कि एनकाउंटर वाली सरकार का काउंटडाउन शुरू हो गया है। इसकी शुरुआत उपचुनाव से हो जाएगी।

तेलंगाना में शुरू हुआ जातीय सर्वेक्षण : जयराम रमेश

नईदिल्ली। तेलंगाना में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य का पहला जाति-आधारित सर्वेक्षण शुरू किया है। यह पहल राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसमें 80,000 गणनाकार 33 जिलों में 1.17 करोड़ से अधिक घरों को कवर करने के लिए तैयार हैं। यह 1931 के बाद पहली जाति-आधारित जनगणना है, जो लंबे समय से प्रतीक्षित वादे को पूरा करती है और तेलंगाना आंदोलन की आकांक्षाओं को दर्शाती है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जाति-आधारित सर्वेक्षण की शुरुआत की सराहना करते हुए इसे राज्य के लिए ऐतिहासिक, क्रांतिकारी क्षण बताया। जाति सर्वेक्षण में आने वाले तीन हफ्तों में घर-घर जाकर डेटा संग्रह किया जाएगा। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने बताया कि यह सर्वेक्षण न केवल तेलंगाना के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय जाति जनगणना के लिए आधार भी तैयार करता है।

घुसपैठ को लेकर राहुल की चुप्पी पर भाजपा ने उठाए सवाल

रांची। झारखंड चुनाव में भाजपा लगातार बांग्लादेशी घुसपैठिए का मुद्दा उठा रही है। इन सबके बीच भाजपा ने इस मामले में राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल खड़े किए हैं। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी पर वार करते हुए कहा कि राहुल गांधी बांग्लादेशी घुसपैठियों पर चुप क्यों रहते हैं जब वे आदिवासी समुदाय की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं? कोर्ट ने इसका संज्ञान लिया है। राहुल गांधी पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि आज आप और हेमंत सोरेन बांग्लादेशी घुसपैठियों के प्रवक्ता, उन्हें बचाने वाले लोग नजर आ रहे हैं। वोट बैंक की राजनीति छोड़ें और देश के लिए सोचें। भाजपा नेता हेमंत सोरेन पर वार करते हुए कहा कि मुझे नहीं पता कि झारखंड की जनता का कितना पैसा सीएम और उनके लोगों ने दबा रखा है। एक-एक पैसे का हिसाब लिया जाएगा। जांच एजेंसियां अपने नियमों के तहत अपनी कार्रवाई करती हैं। झारखंड में भ्रष्टाचार की होड़ चल रही है।

वोटिंग से पहले झारखंड में एक्टिव हुआ आयकर विभाग

रांची। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। राज्य में ताजा घटनाक्रम में आयकर विभाग ने हेमंत सोरेन के निजी सलाहकार सुनील श्रीवास्तव और उनसे जुड़े कई लोगों के खिलाफ छापेमारी की। रिपोर्टों में बताया गया है कि श्रीवास्तव से जुड़े 16-17 स्थानों पर छापे मारे गए, जिनमें उनके परिवार के सदस्यों और करीबी सहयोगियों के घर भी शामिल थे। फिलहाल विभिन्न स्थानों पर छापेमारी चल रही है, जिसमें रांची में सात और जमशेदपुर में नौ जगहें शामिल हैं, जिनमें जमशेदपुर स्थित अंजनिया स्टील और अन्य संबंधित प्रतिष्ठानों के परिसर भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग ने टैक्स चोरी के आरोपों को लेकर यह छापेमारी की है। विभाग को प्राप्त जानकारी से संकेत मिलता है कि श्रीवास्तव कर भुगतान से संबंधित कुछ विसंगतियों में शामिल थे, जिसके बाद विभाग को कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया गया।

चुनाव महाराष्ट्र में है और वसूली कर्नाटक एवं तेलंगाना में डबल हो गई है : प्रधानमंत्री

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के अकोला में चुनावी रैली को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ मजबूती से खड़ा है। संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि विदर्भ का आशीर्वाद हमेशा मेरे लिए खास रहा है। अब एक बार फिर मैं विधानसभा चुनाव में महायुति के लिए आपसे आशीर्वाद मांगनें आया हूं। उन्होंने कहा कि आज 9 नवंबर है और ये 9 नवंबर की तारीख बहुत ही ऐतिहासिक है। आज के ही दिन 2019 में देश की सर्वोच्च अदालत ने राम मंदिर पर फैसला दिया था। 9 नवंबर की ये तारीख इसलिए भी याद रखी जाएगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर धर्म के लोगों ने बहुत ही संवेदनशीलता का परिचय दिया।

मोदी ने कहा कि 2014 से 2024 के 10 वर्षों में महाराष्ट्र ने भाजपा को लगातार दिल खोलकर आशीर्वाद दिया है। भाजपा के ऊपर महाराष्ट्र के इस भरोसे की वजह भी है। इसकी वजह है महाराष्ट्र के लोगों की देशभक्ति, राजनीतिक समझ और दूर-दृष्टि। उन्होंने कहा कि अभी केंद्र में हमारी सरकार को 5 महीने ही हुए हैं। इन 5 महीनों में लाखों करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसमें बड़ी संख्या में महाराष्ट्र से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट भी हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 2 कार्यकाल में मोदी ने गरीबों को 4 करोड़ पक्के घर बनाकर दिए हैं। इतना ही नहीं उस समय जो लक्ष्य था वो पूरा भी कसर दिया।

भाजपा नेता ने कहा कि अब हम गरीबों के लिए 3 करोड़ नए घर और बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय मैंने 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की गारंटी देने का वादा किया था। हमारी सरकार ने बुजुर्गों की सेवा के लिए ये योजना लॉन्च कर दी है। 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को वय-वंदना आयुष्मान कार्ड मिलने शुरु हो गए हैं। सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ ही इस योजना का

लाभ हर वर्ग, हर समाज, हर धर्म के बुजुर्गों को मिलेगा।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस और अघाड़ी वालों ने महाराष्ट्र के लोगों की जिस मांग को दशकों तक पूरा नहीं होने दिया, मोदी ने वो भी पूरी कर दी है। हमें मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देने का सौभाग्य मिला है। मराठी को वो सम्मान मिला है, जिससे पूरे महाराष्ट्र का गौरव जुड़ा है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार के अगले 5 वर्ष कैसे होंगे, इसकी एक झलक महायुति के वचननामे में भी दिख रही है। महिलाओं की सुरक्षा और महिलाओं के लिए अवसर, माझी लाडकी बहीण योजना का विस्तार, युवाओं के लिए लाखों रोजगार, विकास के बड़े-बड़े काम। महायुति सरकार महाराष्ट्र के विकास को डबल स्पीड से आगे बढ़ाएगी।

उन्होंने कहा कि महायुति के घोषणा पत्र के बीच, महाअघाड़ी वालों का घोटाला पत्र भी आया है। अब तो पूरा देश जानता है - महाअघाड़ी यानी, भ्रष्टाचार! महाअघाड़ी यानी, हजारों करोड़ के घोटाले! महाअघाड़ी यानी, पैसों की उगाही! महाअघाड़ी यानी, टोकन मनी! महाअघाड़ी यानी, ट्रांसफर-पोस्टिंग का धंधा। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस की सरकार बन जाती है, वो राज्य कांग्रेस के शाही परिवार का एटीएम बन जाता है। इन दिनों हिमाचल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य कांग्रेस के शाही परिवार के एटीएम बने हुए हैं। लोग बता रहे हैं कि इन दिनों महाराष्ट्र में चुनाव के नाम पर कर्नाटक में वसूली डबल हो गई है, चुनाव महाराष्ट्र में है और वसूली कर्नाटक एवं तेलंगाना में डबल हो गई है। आरोप है कि कर्नाटक में इन लोगों ने शराब के दुकानदारों से 700 करोड़ रूपये कि वसूली कराई है।

मोदी ने कहा कि हमारे अकोला को कपास के उत्पादन के लिए जाना जाता है। कपास टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा आधार है। लेकिन हमारे कपास किसान को दशकों तक इन संभावनाओं का लाभ नहीं मिला, ये हालात अब बदल रहे हैं। कपास किसानों की आय बढ़ाने के लिए उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्टर दोनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है- किसान खुद इतना सशक्त हो कि वो देश की प्रगति का नायक बनकर उभरे! इसलिए, हम किसान की आय बढ़ा रहे हैं और खर्च कम कर रहे हैं। हमने पीएम किसान सम्मान निधि शुरू की, महायुति सरकार ने उसमें अपना सहयोग दिया। इसका परिणाम है कि महाराष्ट्र के किसानों को सालाना 12 हजार रूपये मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जानती है, देश जितना कमजोर होगा, कांग्रेस उतनी मजबूत होगी। इसीलिए अलग-अलग जातियों को लड़ाना, यही कांग्रेस की फितरत है। आजादी के बाद से ही कांग्रेस ने कभी हमारे दलित समाज को एकजुट नहीं होने दिया, कांग्रेस ने हमारे एसटी समाज को भी अलग अलग जातियों में बांटकर रखा। ओबीसी नाम सुनते ही कांग्रेस चिढ जाती है, ओबीसी समाज की अलग से पहचान न बनें, इसलिए कांग्रेस ने भांति-भांति के खेल खेले हैं।

कांग्रेस ने पीएम मोदी से पूछे सवाल

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लेकर नांदेड़ और अकोला दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कांग्रेस ने चार सवाल पूछे हैं। कांग्रेस ने मराठवाड़ा क्षेत्र के विकास, रेल सुविधा, पानी का संकट, अशोक चव्हाण और जातिगत जनगणना को लेकर पीएम मोदी को घेरा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नांदेड़ और अकोला में हैं। चुनाव के दौरान ही वह इस क्षेत्र की ओर ध्यान देते हैं। इसके बाद विकास के मामले में क्षेत्र की उपेक्षा करते हैं।

कांग्रेस महासचिव ने एक्स पर पोस्ट में पहला सवाल किया कि जाति जनगणना और सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षण पर 50% की सीमा को आगे बढ़ाने के मुद्दे पर भाजपा का क्या स्टैंड है? उन्होंने लिखा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार 1.17 करोड़ से अधिक घरों में घर-घर जाकर जाति आधारित सर्वेक्षण शुरू कर रही है।

कांग्रेस महासचिव ने पूछा कि नांदेड़ डिवीजन में भारतीय रेलवे इतनी खराब स्थिति में क्यों है? नांदेड़ डिवीजन को मोदी सरकार के कार्यकाल में पूरी तरह से नज़रअंदाज किया गया है। 2021 में नांदेड़ में केवल 35 किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण और केवल 83 किलोमीटर ट्रैक का दोहरीकरण हुआ है। यह सबसे कम है।

नांदेड़ में महत्वपूर्ण रेलवे बुनियादी ढांचे की उपेक्षा क्यों की गई है? क्या मराठवाड़ा क्षेत्र में विकास के लिए प्रधानमंत्री के पास कोई वास्तविक विज़न है? जयराम रमेश ने पूछा कि मराठवाड़ा में पानी की कमी को दूर करने के लिए पीएम मोदी का विजन क्या है?

जब तक भाजपा है, अल्पसंख्यकों को आरक्षण नहीं मिलेगा : शाह

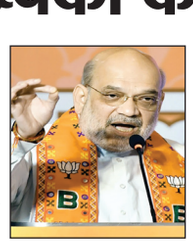

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलामू की रैली में कहा झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई वाला गठबंधन देश में सबसे अधिक भ्रष्ट है और उसे सत्ता से हटाया ही जाना चाहिए। चुनावी राज्य में प्रचार करने पहुंचे शाह ने कहा कि भ्रष्ट लोगों को उल्टा लटका देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ओबीसी आरक्षण के विरुद्ध है, उसने महाराष्ट्र में उलेमाओं के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मैं यहां से राहुल गांधी को चेतावनी देना चाहता हूं। जब तक भारतीय जनता पार्टी है, इस देश में अल्पसंख्यकों को आरक्षण नहीं मिलेगा।

शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण की बात करती है। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। हम कभी भी किसी धर्म विशेष को आरक्षण नहीं दे सकते। महाराष्ट्र में उलेमाओं के एक समूह ने कांग्रेस को ज्ञापन दिया कि मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए और कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम इसमें आपकी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं झारखंड की जनता से पूछने आया हूं कि अगर मुसलमानों को 10 फीसदी आरक्षण मिलेगा तो किसका आरक्षण कम हो जायेगा? पिछड़े वर्ग, दलित और आदिवासियों का आरक्षण कम कर दिया जाएगा। मैं यहां से राहुल गांधी को चेतावनी देना चाहता हूं। राहुल बाबा, आपके मन में जो भी साजिश हो, जब तक भारतीय जनता पार्टी है, इस देश में अल्पसंख्यकों को आरक्षण नहीं मिलेगा।

भाजपा नेता ने कहा कि जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी की सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। कांग्रेस के सांसद के घर से 300 करोड़ से ज्यादा रुपये पकड़े गए। जिसे गिनने के लिए आईं मशीनें थक गईं। ये रुपया आपका है, झारखंड के युवाओं व गरीबों का है, जिसे ये कांग्रेसी खा गए। आप प्रदेश में भाजपा की सरकार बना दो, हम भ्रष्टाचार करने वालों को जेल की सलाखों के पीछे डाल देंगे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनाव के दौरान युवाओं से वादा किया था कि हम आपको बेरोजगारी भत्ता देंगे, लेकिन हेमंत सोरेन ने अपना वादा पूरा नहीं किया। हम कह रहे हैं कि हर युवा साथी को प्रतिमाह 2,000 रुपया बेरोजगारी भत्ता देंगे। हर साल 1 लाख रोजगार सृजित करेंगे और 2 लाख 87 हजार रिक्त पदों को पारदर्शी तरीके भरा जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद झारखंड के युवाओं की नौकरी घुसपैठिए नहीं खा पाएंगे। घुसपैठियों द्वारा आदिवासी बेटियों से शादी कर उनकी जमीन हड़पने का काम भी हम कानून में बदलाव करके बंद करवाएंगे। रोटी, माटी और बेटी तीनों की सुरक्षा भाजपा करेगी।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 मैच आज

केबेरहा। पहला टी20 मुकाबला जीत चुकी भारतीय टीम दूसरे मैच में अपने विजय अभियान को जारी रखना चाहेगी। रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच इस सीरीज का दूसरा मुकाबला केबेरहा में खेला जाएगा। पहले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले संजू सैमसन एक बार फिर बल्ले से चमकने का लक्ष्य लेकर उतरेंगे। वहीं, शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

सैमसन ने डरबन में खेले गए पहले मैच में 50 गेंद पर 107 रन की शानदार पारी खेली थी जिससे भारत ने यह मैच 61 रन से जीता। भारत के अन्य बल्लेबाज पर्याप्त योगदान नहीं दे पाए थे, जो टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा कई मौके मिलने के बावजूद उनका फायदा नहीं उठा पाए जो टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया है।

तिलक वर्मा ने 18 गेंद पर 33 रन की तूफानी पारी खेली लेकिन उन्हें इस तरह की शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की जरूरत है। भारतीय टीम के मिडिल ऑर्डर में एक स्थान के लिए कड़ी लड़ाई है और अगर वर्मा को अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पहले मैच में अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी उम्मीद पर खरे नहीं उतरे। भारतीय मध्यक्रम कागजों पर मजबूत नजर आता है लेकिन पहले मैच में वे साझेदारी निभाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए। भारत ने 36 रन के अंदर छह विकेट गवाएं जिससे एक समय बेहद मजबूत स्थिति में होने के बावजूद वह आठ विकेट पर 202 रन तक ही पहुंच पाया। इससे भारत के मध्य और निचले क्रम की कमजोरी भी उजागर हुई। भारत को दूसरे मैच में इस क्षेत्र में सुधार करना होगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

एलआईसी की हेल्थ इंश्योरेंस बिजनेस में एंट्री की तैयारी!

नईदिल्ली। देश की सबसे बड़ी सरकारी बीमा कंपनी, भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड (एलआईसी) की योजना अब हेल्थ इंश्योरेंस बिजनेस में भी अपनी धाक जमाने की है। कंपनी अब इस सेक्टर में कदम रखने की तैयारी कर रही है। बीमा कंपनी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने शुक्रवार को बताया कि एलआईसी चालू वित्त वर्ष में एक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने पर फैसला करेगी। मोहंती ने सरकारी बीमा कंपनी के नतीजों के ऐलान के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। बीमा दिग्गज के हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में कदम रखने के बाद प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। सिद्धार्थ मोहंती ने कहा, जमीन पर काम चल रहा है, उपयुक्त हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी की खोज हो रही है, हम इस वित्तीय वर्ष के भीतर हिस्सेदारी को अंतिम रूप देंगे।

टीसीएस ने सीनियर लेवल पर घटाई वेरिएबल पे

नईदिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के कई कर्मचारियों को जुलाई-सितंबर तिमाही में वेरिएबल पे कटौती का सामना करना पड़ा है। कंपनी के वर्क फ्रॉम ऑफिस नियमों का पालन करने के बावजूद कर्मचारियों का वेरिएबल पे घटाया गया है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, बिजनेस में मांग को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है। खबर के अनुसार, कुछ कर्मचारियों को उनके तिमाही वैरिएबल पे का सिर्फ 20-40 प्रतिशत ही मिला, जबकि कुछ को तो शून्य प्रतिशत तक भुगतान किया गया। यह पिछले तिमाही में दिए गए 70 प्रतिशत पेआउट के मुकाबले काफी कम है। टीसीएस में अब ऑफिस से काम करना अनिवार्य होने के साथ-साथ कर्मचारियों का वेरिएबल पेआउट कंपनी के अलग-अलग बिजनेस यूनिट की परफॉर्मेंस पर भी निर्भर करेगा।

अगले सप्ताह 4 कंपनियों के आईपीओ होगी लिस्टिंग

नईदिल्ली। अगले सप्ताह ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेक्टर की दिग्गज कंपनी स्विगी और सैगिलिटी इंडिया के आईपीओ सहित 4 मैनबोर्ड आईपीओ की लिस्टिंग से दलाल स्ट्रीट पर हलचल बनी रहेगी। इसके अलावा, अगले सप्ताह में जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन का आईपीओ भी लॉन्च होगा। वहीं, एसएमई सेगमेंट से तीन आईपीओ निवेशकों का ध्यान और पैसा अपनी तरफ खींचने की कोशिश करेंगे। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक कुल 128 कंपनियां पब्लिक हो चुकी हैं। इनमें से 68 कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट से है, जो निवेशकों के लिए प्राथमिक बाजार में निवेश के ढेर सारे अवसर प्रदान करती है। अगले सप्ताह में, मैनबोर्ड सेगमेंट से जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए बुधवार, 13 नवंबर 2024 को खुलेगा और सोमवार, 18 नवंबर 2024 को बंद होगा।

एयर इंडिया का फोकस ज्यादा इंटरनेशनल फ्लाइट पर

नईदिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस छोटे शहरों और कस्बों को महानगरों से जोड़ने के साथ ही नए विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ान भरने पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एआई एक्सप्रेस ने कहा कि नेटवर्क विस्तार और समूह के साथ तालमेल से उसे बढ़त मिलेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस में हाल में एआईएक्स कनेक्ट का विलय हुआ है। एयरलाइन के पास लगभग 90 विमानों का बेड़ा है और चालू वित्त वर्ष के अंत तक यह संख्या 110 को पार कर सकती है। कंपनी का लक्ष्य मार्च, 2025 के अंत तक कुल 55 गंतव्यों के लिए उड़ान भरना है और इसने एयर इंडिया समूह की रणनीति के तहत अपने नेटवर्क को युक्तिसंगत भी बनाया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा कि एयरलाइन टियर-2 और टियर-3 शहरों और कस्बों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

(गतांक से आगे...)

प्रह्लाद सबनानी

100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अत: देश में आय की असमानता स्पष्टत: दिखाई दे रही है।

एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है।

उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न

करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे।

प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुन: देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है। आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। इसलिए भारत को पुन: ग्रामों की ओर रूख करना होगा। न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि ग्रामीण इलाकों में कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और इन स्थानों पर उत्पादित की जा रही वस्तुओं के लिए बाजार भी ग्रामीण इलाकों में ही विकसित हो सकें। लगभग 50 गावों के क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं, इन इलाकों में निर्मित उत्पादों को इस क्लस्टर में ही बेचा जा सकता है और यदि इन इलाकों के स्थित कुटीर एवं लघु उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो उसे आस पास के अन्य क्लस्टर एवं शहरों में बेचा जा सकता है।

इससे स्थानीय स्तर पर ही उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार के अवसर निर्मित होने से ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे परिवारों के शहरों की ओर पलायन को भी रोका जा सकेगा। अंतत: इससे शहरों के बुनियादी ढांचे पर लगातार बढ़ रहे दबाव को भी कम किया जा सकेगा।

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति की यह विशेषता रही है कि समाज में निवास कर रहे गरीब वर्ग के नागरिकों की सहायता के लिए सक्षम समाज हमेशा से ही आगे रहता आया है। यह सेवा कार्य विभिन्न मंदिरों, मठ्ठ, सामाजिक संस्थाओं, सांस्कृतिक संस्थाओं एवं न्यासों द्वारा सफलता पूर्वक किया जाता रहा हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में प्रतिदिन लगभग 10 करोड़ नागरिकों के लिए अन्न क्षेत्रों में भोजन प्रसादी उपलब्ध कराई जाती है। इसी प्रकार कई सामाजिक, सांस्कृतिक एवं न्यासों द्वारा अस्पताल चलाए जाते हैं, जहां मुफ्त अथवा बहुत ही कम कीमत पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कुछ संस्थानों द्वारा स्कूल भी चलाए जाते हैं जहां गरीब वर्ग के बच्चों को शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है।

घोटाला करने वाली कांग्रेस शराब पर मिथ्या प्रलाप कर रही : सिंह

कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकार वार्ता पर भाजपा का करारा हमला

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के रायपुर संभाग प्रभारी सौरभ सिंह ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा शनिवार को पत्रकार वार्ता में किए प्रलाप पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि जो कांग्रेस गंगाजल की सौगंध खाकर छत्तीसगढ़ में पूर्ण शराबबंदी करने के अपने वादे से मुकर गई और 2,000 करोड़ रुपए का शराब घोटाला करके भी जिस कांग्रेस के नेताओं को शर्म तक महसूस नहीं हुई, उस कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में शराब की नदियाँ बहने का मिथ्या प्रलाप करते शोभा नहीं देते। भाजपा रायपुर संभाग प्रभारी सिंह ने कहा कि शराब, कपड़े, रुपए बाँटकर चुनाव लड़ना कांग्रेस की सियासी फितरत रही है। सत्ता में रहकर कांग्रेस

सरकारी मशीनरी तक का दुरुपयोग करती रही है, यह जाननके लिए बैज को 1975 के उस फैसले पर निगाह डालनी चाहिए, जब हाईकोर्ट तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित कर दिया था। जिस कांग्रेस का समूचा राजनीतिक इतिहास कलंक-कथाओं से भरा पड़ा है, वह कांग्रेस आज रायपुर दक्षिण के उपचुनाव में इन हथकंडों के लिए भाजपा पर मिथ्या आक्षेप लगाकर उपचुनाव में अपनी तयशुदा हार की बौखलाहट को ही प्रदर्शित कर रही है। श्री सिंह ने कहा कि उपचुनाव में प्लेइंग कार्ड्स बाँटने का झूठ भी वह कांग्रेस फैलाने में लगी है, जिसकी पिछली भूपेश सरकार ने महादेव सट्टा एप के जरिए प्रदेश के लाखों लोगों को सट्टे के दलदल में धकेलने और हजारों करोड़ रुपए का सट्टा घोटाला करके छत्तीसगढ़ को शर्मसार करने का धत्कर्म कर चुकी है।

भाजपा रायपुर संभाग प्रभारी श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ को अपराध मुक्त करने के लिए कृतसंकल्पित है। बैज यह न पूछें कि अपरध से रुकेगा, बैज पहले प्रदेश को यह बताएँ कि बलौदाबाजार की हिंसा और आगजनी से लेकर सूरजपुर, लोहारीडीह और बलरामपुर तक के तमाम अपराधों में कांग्रेस के विधायक, पदाधिकारी, नेता ही क्यों संलिप्त पाए जा रहे हैं और क्यों उनको एड़ियाँ रगड़ने के बाद भी जमानत तक के लाले पड़े हुए हैं? श्री सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार पर दो तरह के कानून बनाकर चलाने का रोना रोने वाले बैज जरा भूपेश सरकार की बदलापुर की राजनीति के दिनों को भी याद कर लें, जब भाजपा नेताओं को चुन-चुनकर बिना किसी अपराध के जेलों में ठूस दिया जाता था। प्रतिशोध की राजनीति कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति रही है, भाजपा की नहीं। भाजपा के शासनकाल में कानून का राज चलेगा और अपराधी चाहे जो हो, वह किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा के कार्यकाल की बातें करने वाले कांग्रेस नेता ढेबर के कार्यकाल की बातें क्यों नहीं कर रहे?

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शर्मा ने रायपुर दक्षिण के चुनावी मैदान से महापौर ढेबर की गैर मौजूदगी को लेकर निशाना साधा, कहाः कांग्रेस की कलह सतह पर आई

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में गुटबाजी से उपजी कांग्रेस की अंदरूनी कलह सतह पर आ गई है और एक तरफ कांग्रेस के अनेक नेता जहाँ खुद चुनावी गतिविधियों से दूर हो चले हैं, वहीं दूसरी तरफ पार्टी के बड़े नेताओं ने उन चेहरों को कांग्रेस की चुनावी रणनीतियों से दूर कर रखा है, जिनका कार्यकाल भ्रष्टाचार के आरोपों से दागदार रहा है। श्री शर्मा ने रायपुर दक्षिण के चुनावी मैदान से महापौर एजाज ढेबर की गैर मौजूदगी को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि कभी ढेबर के लिए कशीदे पढ़ने वाले कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा अब उनका नाम तक लेने से परहेज कर रहे हैं!

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि रायपुर नगर निगम की सत्ता में पिछले 15 वर्षों से कांग्रेस काबिज है, जिनमें से पिछले पाँच सालों में प्रदेश की सरकार भी कांग्रेस की रही। अपने डेढ़ दशकों के कार्यकाल में कांग्रेस के महापौरों ने शहर के विकास के नाम पर न तो एक ईंट रखी और न ही जनसमस्याओं के निराकरण की कोई ठोस पहल की। पूरे डेढ़ दशकों से नगर निगम में कांग्रेस ने केवल, और केवल भ्रष्टाचार करने का काम किया। श्री शर्मा ने सवाल किया कि नगर निगम में भाजपा के बीते कार्यकाल की बातें करने वाले कांग्रेस नेता अपनी पत्रकार वार्ता में ढेबर के मौजूदा कार्यकाल की बातें क्यों नहीं कर रहे हैं? पिछले पाँच सालों में महापौर ढेबर ने नगर निगम को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाकर रख दिया था। शहर की जनता से किए गए एक भी वादे को पूरा करने के बजाय कांग्रेस के लोगों ने घपलों-घोटालों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित रखा। ढेबर के कार्यकाल में ही यूनीपोल घोटाला करके कांग्रेस ने नगर निगम को आर्थिक चोट पहुँचाई। स्मार्ट सिटी फंड की राशि का खुलकर दुरुपयोग किया गया। बहुत सारा टेंडर घोटाला हुआ है। बिना टेंडर के काम करवाए गए। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यही कारण है कि ढेबर को इस पूरे चुनावी संग्राम में हाशिए पर धकेल दिया गया है। ढेबर न तो प्रचार में जा रहे हैं, और न ही कांग्रेस की चुनावी गतिविधियों व कार्यक्रमों में कहीं नजर आ रहे हैं। इधर, कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा ने इस पूरे चुनावी अभियान में भूलकर भी ढेबर का नाम तक नहीं लेकर यह रेखांकित कर दिया है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। श्री शर्मा ने जानना चाहा है कि आखिर कांग्रेस प्रत्याशी अपनी कांग्रेस के महापौर का नाम लेने से इतना परहेज क्यों कर रहे हैं? क्या कांग्रेस में गुटबाजी अब इस चरम तक पहुंच चुकी है?

रायपुर दक्षिण में पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने लिया तीन जनसभाएं, दीपक बैज ने पुरानी बस्ती में जनसभा को संबोधित किया

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीन जनसभाये, चंगोराभाठा, कुशालपुर एवं सिविल लाईन में किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पुरानी बस्ती में जनसंपर्क किया तथा सिविल लाईन वार्ड श्याम नगर में जनसभा को संबोधित किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दक्षिण उपचुनाव को लेकर 13 तारीख को वोटिंग होना है 13 तारीख को जब वोट होगा तो दक्षिण विधानसभा को नया विधायक मिलेगा। क्योकि 34 साल से एक विधायक ही जीतता रहा और कुछ काम नहीं हुआ। लेकिन जनता अब बदलाव चाहती है इस बार बदलाव का लहर चल चुका है और इस बदलाव के लहर को दुनिया की ताकत नही रोक सकती। आप सभी का आर्शीवाद कांग्रेस पार्टी के लिये है। 10 महीने हुये इस सरकार को लेकिन छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक और रायपुर अपराध का गढ़ बन गया है। रायपुर में दिन दहाड़े गोली चलती है और बलौदाबाजार में कलेक्टर और एसपी आफिस जला दिये गये।

कलेक्टर और एसपी दरवाजे के पीछे से भाग जाते है। कवर्धा के लोहारीडीह में तीन साहू समाज के लोगों की हत्या हो जाती है। एक को फांसी में टांगकर मार दिया जाता है उनकी बेटी कहती है कि यह हत्या है और सरकार कहती आत्महत्या है। यह घटना सरकार की लापरवाही को उजागर करती है। सूरजपुर में जिला बदर व्यक्ति दिन दहाड़े हत्या करके चला जाता है बलरामपुर में पुलिस की पिटाई से एक व्यक्ति की मौत हो जाती है और कह रहे थे कि बाथरूम में फांसी लगा लिया ऐसी हो ही नही सकता। पुलिस प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। सरगुजा में दिन दहाड़े लूट हो जाता है और मुख्यमंत्री के गृह जिला जशपुर में गोली चलता है और प्रदेश का सबसे बड़ा जेल रायपुर सेन्ट्रल जेल के पास गोली चलता है यह सरकार का हाल है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने रायपुर दक्षिण में चुनाव प्रचार किया

पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने दक्षिण विधानसभा के पं सुंदरलाल शर्मा वार्ड क्रं. 42, महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड क्रं. 43, स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड क्रं. 45, में जनसंपर्क किया। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा को जिताने की अपील करते हुये कहा कि कांग्रेस का प्रत्याशी जुझारू और युवा है वह जनता की सेवा करेंगे।

झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर सिमडेगा में खोलेंगे मेडिकल कॉलेज : केदार कश्यप

रायपुर। झारखंड विधानसभा के चुनाव में आदिवासी बाहुल्य चार विधानसभा क्षेत्रों केकलस्टर प्रभारी बनाए गए छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में धुंआधार प्रचार कर रहे हैं। प्रखर वक्ता केदार कश्यप को सुनने के लिए उनकी सभाओं में भारी भीड़ उमड़ रही है। बस्तर संभाग से कई नेता और कार्यकर्ता भी उनके साथ झारखंड गए हुए हैं।

मंत्री एवं बस्तर के युवा आदिवासी नेता केदार कश्यप को झारखंड विधानसभा के चुनाव में सिमडेगा, खूंटी, तोरपा समेत चार आदिवासी बाहुल्य विधानसभा क्षेत्रों का कलस्टर प्रभारी बनाया गया है। वे आदिवासी बेल्ट के मतदाताओं का दिल जीत रहे हैं। केदार कश्यप लगातार चारों विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क करने के साथ ही चुनावी सभाओं को भी संबोधित कर रहे हैं। मंत्री केदार कश्यप ने शनिवार को सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र के कुल्हूकेरा में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी श्रद्धानंद बेसरा के पक्ष में मतदान करने की अपील की श्री कश्यप ने सभा में कहा कि जिस तरह छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में किसानों, आदिवासियों, युवाओं और महिलाओं के हित में काम कर रही है, छत्तीसगढ़ तेज गति से विकास कर रहा है, उसी तरह झारखंड में भी भारतीय जनता की सरकार बनने पर सभी को लाभ मिलेगा। जिस तरह हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ की माता बहनों के लिए महतारी वंदन योजना शुरू कर हर माता बहन को प्रति माह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता दे रहे हैं, वैसी ही योजना झारखंड में भी भाजपा सरकार लागू करेगी। इसके अलावा किसानों की उपज की वाजिब कीमत दी जाएगी। श्री कश्यप ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर सिमडेगा में मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा और सिमडेगा को रेलमार्ग के जरिए सीधे राजधानी रांची से जोड़ा जाएगा। मंत्री केदार कश्यप ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर घुसपैठियों को राज्य में पनाह देने और आदिवासियों पर कुठाराघात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि घुसपैठिये यहां अशांति फैलाएंगे और आदिवासी समुदाय के अस्तित्व को संकट में डाल देंगे।

उन्होंने ऐसे मुख्यमंत्री, उनकी पार्टी और उनके सहयोगी दलों को सबक सिखाने की अपील मतदाताओं से की।आदिवासी बाहुल्य विधानसभा क्षेत्रों में केदार कश्यप ने अपनी शैली एवं मिलनसारिता के बूते भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जबरदस्त माहौल बना दिया है। केदार कश्यप की सभाओं में मतदाताओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।सिमडेगा, खूंटी और तोरपा समेत चार विधानसभा क्षेत्रों के कलस्टर प्रभारी की जिम्मेदारी सम्हाल रहे मंत्री केदार कश्यप को वहां के आदिवासियों का अथाह प्यार मिल रहा है और यह प्यार तीनों सीटों के भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में वोटों के रूप में तब्दील होते जा रहे हैं। चारों विधानसभा क्षेत्रों में केदार कश्यप का जादू चल रहा है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत का दक्षिण विस में सघन जनसम्पर्क

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने

दक्षिण विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा के लिए आज संतोषी नगर मोरेश्वर राव गदरे वार्ड, सुंदर नगर पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड. बैरन बाजार पंडित भगवती चरण शुक्ल वार्ड में जनसंपर्क किया। नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने अपने जनसंपर्क की शुरुवात मोरश्वर राव गदरे वार्ड के पार्षद कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम जनों से भेंट मुलाकात कर संबोधित किया। पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड में सुरेंद्र दुबे, राम मोहन तिवारी, नरेंद्र तिवारी, चंद्रशेखर नगर बौद्ध समाज, पूर्व पार्षद गोवर्धन शर्मा के अश्विनी नगर में जनसंपर्क किया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा की दक्षिण विधानसभा में आपका आने वाला दिन अच्छा हो आप लोग के बच्चों का भविष्य कैसे सुधर सकता है ये हमें समझना होगा। पिछले तीन दिनों से मैं दक्षिण विधानसभा के विभिन्न वार्डों में घूम रहा हूँ, जो यहां नाली पानी बिजली सड़क की समस्या देख रहा हूं वह साबित करते हैं कि 35 साल में भारतीय जनता पार्टी के विधायक ने इस क्षेत्र का किस तरह विनाश किया है। कांग्रेस हमेशा से ही गरीब पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए काम करती आई है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में छग जनजातीय सलाहकार परिषद गठित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद गठित कर दी गई है। इसकी अधिसूचना का प्रकाशन आदिम जाति कल्याण विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा किया गया है। आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम इस परिषद के उपाध्यक्ष बनाये गए हैं। इस परिषद कुल 18 सदस्य है, जिसमें वन मंत्री सहित 13 विधायक और 4 सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव/सचिव इस परिषद के सचिव होंगे। इस परिषद के विधानसभा में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधियों से मनोनीत सदस्य उस समय तक सदस्य रहेंगे जब तक कि वे विधानसभा के सदस्य रहेंगे। अन्य सदस्य परिषद् में उनके मनोनयन की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक परिषद् के सदस्य रहेंगे। छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद में वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक लता उसेण्डी, रेणुका सिंह, शंकुतला सिंह पोर्ते, उद्देश्वरी पैकरा, रायमुनी भगत, गोमती साय, विधायक रामकुमार टोप्पो, प्रणव कुमार मरपची, विक्रम उसेण्डी, आशाराम नेताम, नीलकंठ टेकाम, विनायक गोयल, चैतराम अटामी सदस्य के रूप में शामिल हैं। रामनाथ कश्यप, रघुराज सिंह उईके, वेदप्रकाश भगत, कृष्ण कुमार वैष्णव भी इस समिति के सदस्य होंगे।

डॉ. राधाबाई महा. में शब्दावली अंताक्षरी का आयोजन

रायपुर। डॉ. राधाबाई नवीन कन्या शास. महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग के बॉटनिकल क्लब गतिविधि के तहत स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच वानस्पतिक शब्दावली पर आधारित अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, और प्राध्यापक डॉ. चंचल चतुर्वेदी, डॉ रश्मि सोनी, और डॉ. स्मिता शर्मा उपस्थित थी।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय महिला अग्रवाल संगठन ने गोपाष्टमी पर गौमाता को खिलाया गुड व चारा

रायपुर। गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रांतीय महिला अग्रवाल संगठन ने महावीर गौशाला में गौ माता की पूजा-अर्चना करने के बाद रोली चांवल का तिलक आकर आरती की और गुड़, हरा चारा व मिठाई खिलाया। महिला सदस्यो ने इसके बाद गौ माता के फेरे लगाकर आर्शीवाद प्राप्त किया। इस अवसर पर संरक्षक सियाराम अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल, संरक्षिका अनिता अग्रवाल, संतोष धनोदिया उपस्थित थे।

चेकिंग में युवकों से पकड़ाया 8 लाख नगद

रायपुर। रायपुर में उपचुनाव को लेकर चल रही चेकिंग अभियान में 8 लाख रुपए कैश पकड़ा गया है। बाइक सवार युवक बैग में रुपए रखे हुए थे। पुरानी बस्ती पुलिस ने जब युवक से पैसों को लेकर कागजात की मांग की तो उसके कोई डॉक्यूमेंट नहीं थे। इसके बाद पैसे को मॉनिटरिंग सेल में भेज दिया गया है। चुनावी टीम की यह दूसरी जब्ती है। इससे पहले आचार संहिता लगने

के अगले ही दिन टिकरापारा पुलिस ने जगदलपुर से लाए गए रायपुर के सराफा कारोबारी के 8 करोड़ के जेवर जब्त कर मामला आयकर विभाग को सौंप दिया था। उप चुनाव के मद्देनजर तैनात स्थैतिक टीम ने कल देर शाम एक बाइक से 8 लाख रुपए नगद बरामद किए। थाना पुरानी बस्ती एवं सीआरपीएफ की डी-62 कम्पनी के साथ बुढ़ेश्वर चौक व पंकज गार्डन के पास चेकिंग पॉइंट लगाया था। वाहनों की चेकिंग के दौरान बाइक हीरो एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 04 एम यू 1675 के चालक के पास रखे काले रंग के बैग में 8 लाख नगद मिले। वह इसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आचार संहिता होने से उक्त रकम को जप्त कर अग्रिम कार्रवाई हेतु जिला मॉनिटरिंग सेल को भेज दिया गया।

राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में जशपुर जिले के दो खिलाड़ी

रायपुर। 24 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा (तीरंदाजी) प्रतियोगिता 6 से 9 अक्टूबर 24 तक रायपुर में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में जशपुर जिले में जिला प्रशासन के अंतर्गत संचालित तीरंदाजी केंद्र एवं एकलव्य खेल अकादमी जशपुर के विशेष पिछड़ी जनजाति (पहाड़ी कोरवा) वर्ग के खिलाड़ी मनोज राम ने अंडर 17 वर्ष कम्पाउन्ड राउण्ड में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयनित हुआ। इसी प्रकार खिलाड़ी श्री आकाश राम ने अंडर 14 वर्ष कम्पाउन्ड राउण्ड में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयनित हुआ। दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की खेल को प्रोत्साहित करने और खिलाडियों का मनोबल बढ़ाने के लिए सतत् प्रयासरत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर जिले के दोनों खिलाडियों को खेल की क्षेत्र में आगे बढ़ाने सभी खिलाडियों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं और राज्य का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी। ज्ञातव्य है कि 24 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा (तीरंदाजी) प्रतियोगिता प्रदेश भर के पांचों संभागों से लगभग 350 से भी ज्यादा तीरंदाज शामिल हुए.

बच्चों की मुस्कान कर रही है स्कूल के खुशनुमा माहौल का बयान

पीएमश्री स्कूल में गढ़ा जा रहा है छत्तीसगढ़ का स्वर्णिम भविष्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा स्कूली बच्चों के समग्र विकास के प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं। राज्य में पीएमश्री योजना के सफल क्रियान्वयन से राज्य के 341 स्कूलों में शिक्षा और अध्ययन-अध्यापन का माहौल बेहतर हो रहा है। पीएमश्री योजना में शामिल राजनांदगांव जिले के 11 स्कूलों का न सिर्फ कायाकल्प हुआ है, बल्कि वहां अध्ययन-अध्यापन को लेकर बेहतर माहौल बना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएमश्री योजना अंतर्गत स्कूली बच्चों के भविष्य को गढने एवं तराशने का कार्य किया जा रहा है। पीएमश्री योजना

में शामिल राजनांदगांव जिले की डुन्डेरा शासकीय प्राथमिक शाला, इस योजना की सफलता की एक बानगी मात्र है। पीएमश्री योजना के माध्यम से इस शाला के कायाकल्प को देखकर ही सुखद अनुभूति होती है। इसका एहसास यहां के स्कूली बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान को देखकर सहज ही होता है। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला डुन्डेरा में पढ़ने वाले बच्चों की मुस्कान स्कूल के खुशनुमा माहौल को बयान करती है। सर्वसुविधायुक्त स्कूल की परिकल्पना प्राथमिक शाला डुंडेरा में सार्थक हुई है, जहां न केवल बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा है बल्कि बच्चों को पीएमश्री पौष्टिक आहार भी दिया जा रहा है। पीएम श्री योजना के तहत लगभग 4 लाख 15 हजार रूपए की राशि से पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला डुन्डेरा का कायाकल्प किया गया है। इस स्कूल को ग्रीन स्कूल की तर्ज पर विकसित किया गया है। स्वच्छ और हरे-भरे वातावरण के लिए स्कूल परिसर में पौधे रोपित किए गए हैं। स्कूल के फर्श पर सुन्दर टाइल्स लगाए गये है। दीवारों पर ज्ञानवर्धक खूबसूरत पेटिंग बनाई गई हैं। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला डुन्डेरा में बच्चों के लिए संगीत, विभिन्न खेल गतिविधियां तथा व्यक्तित्व विकास हेतु अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के लिए वाटर फिल्टर लगाया गया है। बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण भी समय-समय पर कराया जाता है। स्कूल में 109 बच्चे अध्ययनरत है। यहां स्मार्ट क्लास, खेल मैदान, म्यूजिक क्लास रूम, मध्यान्ह भोजन की सुविधा है। स्कूल में पीएमश्री मुस्कान पुस्तकालय भी है, जहां दीवारों में उकेरी गई पेंटिग तथा प्रेरक पंक्तियां बच्चों को पाठ्य पुस्तकों को पढने के लिए प्रेरित करती हैं। लाईब्रेरी में मिसाईल मैन एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पंक्तियां एक अच्छी पुस्तक हजार दोस्तों के बराबर होती है, जबकि एक अच्छा दोस्त एक लाईब्रेरी के बराबर होता है.

जिला अस्पताल बालोद और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुरदी को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र

रायपुरा/बालोद। जिला अस्पताल बालोद और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुरदी को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के केन्द्रीय गुणवत्ता परीक्षण समिति द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने स्वास्थ्य विभाग के इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एनके सूर्यवंशी और सिविल सर्जन डॉ. आरके श्रीमाली सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं

दी है।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. श्रीमाली ने बताया कि जिला चिकित्सालय बालोद में एक्सटर्नल एस्समेंट सेंट्रल टीम द्वारा 08 फरवरी 2024 से 10 फरवरी 2024 तक केन्द्रीय गुणवत्ता परीक्षण समिति द्वारा जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का एस्समेंट किया गया। जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के उच्च मापदंडो पर जिला चिकित्सलाय बालोद खरा उतरा। जिसके अंतर्गत ओपीडी, आईपीडी, ब्लड बैंक, एस.एन.सी.यु. पैथालाजी लैब, एनआरसी, ऑपरेशन थियेटर, प्रसुति वार्ड एवं ओटी, पिडियावार्ड, पिडियाओपीडी, रेडियोलॉजी, फार्मेसी डिपार्टमेंट का एसेसमेंट किया गया।

जिसमें समस्त मानको को पूर्ण करते हुए नेशनल स्तर से जिला चिकित्सालय बालोद एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुरदी को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.